

3

# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 16]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 19, 1980/चैत्र 30, 1902

No. 16]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 19, 1980/CHAITRA 30, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

### भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

### PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम जिसमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

गृह मंत्रालय

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1980

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel & Administrative Reforms)

New Delhi, the 5th April, 1980

सा० का० नि० 421:—केन्द्रीय सरकार, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल अधिनियम, 1949 (1949 का 66) की धारा 18 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नियम, 1955 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का नाम केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (चतुर्थ संशोधन) नियम, 1979 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नियम, 1955 के नियम 89, उप-नियम (क) में, खंड (1) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(1) किसी अग्रिम अधिकारी को, ग्राह्यता की बाबत संगरीक्षा अधिकारी से रिपोर्ट अधिप्राप्त करने के पश्चात् कमांडेंट द्वारा और कमांडेंट को उपमहानिरीक्षक द्वारा”।

[सं० भार IX-7/79-प्रशा० 1 (कार्मिक-2)]

नरेंद्र प्रसाद, निदेशक (पुलिस)

G.S.R. 421.—In exercise of the powers conferred by Section 18 of the Central Reserve Police Force, Act, 1949 (66 of 1949), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Reserve Police Force, Rules, 1955, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Reserve Police Force (4th Amendment) Rules, 1979.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Reserve Police Force Rules, 1955, in rule 89 in sub-rule (a), for clause (1) the following clause shall be substituted, namely:—

“(1) to a superior officer by the Commandant after obtaining a report in regard to its admissibility from the audit officer and to the Commandant by the Deputy Inspector General.”

[No. R. IX-7/79-Adm, I(Pers-II)]

NARENDRA PRASAD, Director (Police)

## शुद्धि-पत्र

नई दिल्ली, 3 अप्रैल, 1980

सा० का० नि० 422—विनांक 26-1-1980 के जी० एम० आर० 78 के अन्तर्गत प्रकाशित अधिसूचना के पैरा 2 में "कालम 7 तथा 8" के स्थान पर "कालम 6 तथा 7" पड़ा जाए।

[सं० 13019/1/77-प्रणि०-II]

आर० एस० शकुन्त, डेस्क अधिकारी

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 3rd April, 1980

**G.S.R. 422.**—In para 2 of the Notification published in GSR 78, dated 26-1-1980, please read "columns 6 & 7" for "columns 7 & 8".

[No. 13019/1/77-Trg. II]

R. S. SHAKUNT, Desk Officer

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1980

सा० का० नि० 423—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारतीय सांख्यिकीय सेवा नियम, 1961 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1 (1) इन नियमों का नाम भारतीय सांख्यिकीय सेवा संशोधन (प्रथम संशोधन) नियम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय सांख्यिकीय सेवा नियम, 1961 की अनुसूची में,—

(1) "श्रेणी-II संयुक्त निदेशक" शीर्षक के नीचे,—

(क) कृषि विभाग से संबंधित क्रम संख्यांक-1 के नीचे, मद (ii) के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—  
“(iii) केन्द्रीय भूगर्भ उप-आयुक्त—1” ; जल बोर्ड (सांख्यिकी);

(ख) सामुदायिक विकास और सहकारिता विभाग से संबंधित क्रम संख्यांक 3 और उससे संबंधित प्रविष्टियों का लोप किया जाएगा।

(2) "श्रेणी-III—उपनिदेशक" शीर्षक के नीचे,—

(क) कृषि विभाग से संबंधित क्रम संख्यांक 4 के नीचे, मद (iii) के पश्चात् निम्नलिखित मद अन्तःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—  
“(IV) वनस्पति संरक्षण, सहायक—1 1”;  
संगरोध और संचयन निदेशक (सांख्यिकी);

(ख) औद्योगिक विकास मंत्रालय से संबंधित क्रम संख्यांक 12 के नीचे मद (1) और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :—

“(i) आर्थिक सहायक उपसांख्यिक 1—1  
का कार्यालय ज्येष्ठ अनुसंधान 1—1  
अधिकारी

(3) "श्रेणी-IV—सहायक निदेशक" शीर्षक के नीचे,—

(क) क्रम संख्यांक 2 "पूर्ति विभाग" से संबंधित प्रविष्टियों में, स्तम्भ 3 में "सहायक निदेशक (सांख्यिकीय श्रेणी-I)" शीर्षक

के सामने, स्तम्भ 5 में, विद्यमान प्रविष्टि "1" का लोप किया जाएगा और स्तम्भ 6 में विद्यमान प्रविष्टि "5" के स्थान पर प्रविष्टि "4" रखी जाएगी।

(ख) क्रम संख्यांक 14 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“14क वित्त मंत्रालय, अनुसंधान 1 1  
व्यय विभाग अधिकारी  
वैतन अनुसंधान एकक

[फाइल सं० 12011/1/80-आई०एस०एस०]

New Delhi, the 5th April, 1980

**G.S.R.423**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Statistical Service Rules, 1961, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Statistical Service (First Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Schedule I to the Indian Statistical Service Rules, 1961—  
(1) under the heading "Grade II—Joint Director"—

(a) under Sl. No. 1, relating to the Department of Agriculture, after item (ii), the following item shall be inserted, namely:—

“(iii) Central Ground Deputy Commissioner—1 1”;  
Water Board. (Statistics)

(b) Sl. No. 3 relating to the Department of Community Development and Cooperation and the entries relating thereto shall be omitted.

(2) under the heading "Grade III—Deputy Director"—

(a) under S. No. 4, relating to the Department of Agriculture, after item (iii), the following item shall be inserted, namely:—

“(iv) Directorate of Assistant Director —1 1”;  
Plant Protection (Statistics)  
Quarantine and Storage.

(b) under Sl. No. 12, relating to the Ministry of Industrial Development, for item (i) and the entries relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

“(i) Office of the Deputy Statistician 1—1  
Economic Advisor Senior Research 1—1”;  
Officer.

(3) under the heading "Grade IV—Assistant Director",—

(a) in the entries relating to Sl. No. 2 "Department of Supply", in column 3 against the entry "Assistant Director (Statistics-Grade I)", in column 5, the existing entry "1" shall be omitted and in column 6, for the existing entry "5", the entry "4" shall be substituted.

(b) after Sl. No. 14 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

“14-A Ministry of Finance Research 1—1”  
Department of Expenditure Officer.  
Pay Research Unit.

[File No. 12011/1/80-ISS]

## शुद्धि-पत्र

सां. कां. निं. 424.—कामिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के अधिवृत्तना संख्या 12011/4/79-आई. एन. ०, दिनांक 6-6-79 के राजपत्र भाग 2 खण्ड 3 उपखण्ड (i), दिनांक 23-6-79 के पृष्ठ 1704 पर (सां. कां. निं. 854) प्रकाशित हिन्दी अनुवाद में 2 (i) में दिये गए वेतन क्रम 1300-100-2000 के स्थान पर 1800-100-2000 रुपये को पढ़ा जाये।

[फां. सं. 12011/1/80-सां. अ. सं.]

पी० जी० लेले, उप सचिव

## CORRIGENDUM

G.S.R. 424.—In the Department of Personnel & A.R. Notification No. 12011/4/79-ISS, dated the 6th June, 1979 published as S. No. (I) in Part II, Section 3, Sub-Section (i) at page 1704, in the Gazette of India dated the 23rd June, 1979 as G.S.R. No. 854, for the figures and word and bracket (1300-100-2000 ₹) the following figures, word and bracket may be substituted viz. (1800-100-2000 ₹).

[File No. 12011/1/80-ISS]

P. G. LELE, Dy. Secy.

## वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1980

सां. कां. निं. 425.—भारत के संविधान के अनुच्छेद 299 की धारा (1) के साथ पठित अनुच्छेद 77 की धारा (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों को ऋण करार (राजस्थान कमान क्षेत्र विकास और बास परियोजना) निष्पादन तथा अधिप्रमाणन नियम, 1980 कहा जा सकेगा।

(2) ये नियम राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. भारत सरकार तथा अन्तर्राष्ट्रीय कृषि विकास खण्ड के बीच राजस्थान कमान क्षेत्र विकास और बास परियोजना (32 आई. एन.) से सम्बद्ध ऋण करार के उपबन्धों का अनुसरण करने हुए, संघ की कार्यकारी शक्तियों का प्रयोग करते हुए सभी आवेदन पत्र, प्रमाणपत्र अथवा अन्य दस्तावेज, जिन पर हस्ताक्षर किए जाने हों अथवा जिन पर हस्ताक्षर करना अनुज्ञात हो अथवा जिन्हें निष्पादित किया जाना हो या जिन्हें निष्पादित करना अनुज्ञात हो, राष्ट्रपति की ओर से वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग के किसी वरिष्ठ लेखा अधिकारी या लेखा अधिकारी या कनिष्ठ लेखा अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित, निष्पादित और अधिप्रमाणित किए जाएंगे।

राष्ट्रपति के आदेश और नाम से

[संख्या एफ. 8(2) 80/एफ. बी. 0-I]

श्रीमती अनुराधा मानसिंह, उप-सचिव

## MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 27th March, 1980

G.S.R. 425.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77, read with clause (1) of article 299 of the Constitution of India, the President hereby makes the following rules, namely:—

1. (1) These rules may be called the Loan Agreement (Rajasthan Command Area Development and Settlement Project) Execution and Authentication Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. All applications, certificates or other documents, required or permitted to be signed or executed in exercise of the executive power of the Union in pursuance of the provisions of the Loan Agreement relating to the Rajasthan Command Area Development and Settlement Project (32-IN) entered into between the Government of India and the International Fund for Agricultural Development shall be signed or executed and authenticated on behalf of the President by any of the Senior Accounts Officers or Accounts Officers or Junior Accounts Officers in the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance.

By order and in the name of the President

[No. F. 8/2/80-F.B.I.]

A. MANSINGH, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 28 मार्च, 1980

सां. कां. निं. 426.—भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की दिनांक 9 सितम्बर, 1975 की अधिवृत्तना संख्या एफ. 3/71/74-करेंसी का अधिक्रमण करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह निवेश देती है कि एक रुपए के अंकित मूल्य के भारत सरकार के किसी भी कूटपूर्ण या कटे-फटे नोट के मूल्य को, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा अनुग्रहात् उन परिस्थितियों तथा उन शर्तों तथा परिसीमाओं के अधीन वापस किया जा सकेगा जो भारतीय रिजर्व बैंक (नोट वापसी) (संशोधन) नियमावली, 1980 के द्वारा यथासंशोधित भारतीय रिजर्व बैंक (नोट वापसी) नियमावली, 1975 के अन्तर्गत, एक ही रुपए से कम मूल्य के बैंक नोट के मूल्य की वापसी पर लागू होती है, परन्तु एक रुपए के नोट की मूल्य वापसी इस रीति से की जाएगी कि उपर्युक्त नियमावली के नियम संख्या 2 के खण्ड (ख क) के उपखण्ड (ii) के उपबन्ध किसी एक रुपए के नोट पर या उसके सम्बन्ध में प्रवृत्त नहीं होंगे।

[संख्या एफ. 4/32/77-करेंसी]

जी० बी० भल्ला, अधीन सचिव

New Delhi, the 28th March, 1980

G.S.R. 426.—In pursuance of the Notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. F. 3/71/74-CY, dated the 9th September, 1975, the Central Government is hereby pleased to direct that the value of any imperfect or mutilated Government of India note of the denominational value of one rupee may be refunded as of grace by the Reserve Bank of India, in the circumstances and subject to the conditions and limitations in and subject to which the value of a bank note of a denomination of less than one hundred rupees may be refunded under the Reserve Bank of India (Note Refund) Rules, 1975, as amended by Reserve Bank of India (Note Refund) (Amendment) Rules, 1980, so however that the provisions of sub-clause (ii) of clause (b a) of rule 2 of the said Rules shall not be applicable to or in relation to any one rupee note.

[No. F. 4/32/77-CY]

G. B. BHALLA, Under Secy.

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

(Central Boiler Board)

New Delhi, the 3rd April, 1980

## CORRIGENDUM

G.S.R. 427.—In the notification of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development), Central Boilers Board No. G.S.R. 46, dated the 21st December, 1978, published in the Gazette of India, Part II Section 3 Sub-section (i), dated the 13th January, 1979, at page 103,—

for line 22, read "(Amendment) Regulations, 1979."

[No. F. 12(1)/73-Boilers]

S. C. DEY, Secy. Central Boilers Board

## विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग

नई दिल्ली, 27 मार्च, 1980

सा० का० नि० 428:—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग में सचिव के वैयक्तिक स्टाफ में स्टाफ अधिकारी पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (स्टाफ अधिकारी) भर्ती नियम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इससे इन नियमों से उपाबद्ध अनुसूची के स्तंभ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य ग्रहणाएँ:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, ग्रहणाएँ और उससे/उनसे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तंभ 5 से 14 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरहताएँ: वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूब हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी बर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्याप्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के अभ्यर्थियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अधयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	7
स्टाफ अधिकारी	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'क' राजपत्रित	1100-50-1600 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य ग्रहणाएँ	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक ग्रहणाएँ प्रोन्नति की दशा में लागू होगी या नहीं	परिबीक्षा अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
8	9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक सविदा भी है)	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक सविदा भी है) केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/बिषयविद्यालयों/वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थाओं या परिवर्धों/स्वशासी या कानूनी निकायों के ऐसे अधिकारी—	लागू नहीं होता	चयन, प्रत्येक अवसर पर संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श से किया जाएगा। इन नियमों के किसी उपबंध को संशोधित/शिथिल करने समय भी आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।
				(क) (i) जो सदृश पद धारण कर रहे हैं ; या		

9	10	11	12	13	14
				(ii) जिन्होंने 700-1300 रु० या समतुल्य वेतन- मान वाले पदों पर पाँच वर्ष सेवा कर ली है ; या	
				(iii) जिन्होंने 650-1200 रु० या समतुल्य वेतन- मान वाले पदों पर आठ वर्ष सेवा कर ली है ; या	
				(iv) जिन्होंने 425-700/ 800 रु० (पुनरीक्षण पूर्व 210-425 रु०) वेतनमान वाले पदों पर 16 वर्ष सेवा कर ली है जिसमें से 650- 1200 रु० या सम- तुल्य वेतनमान वाले पदों पर कम से कम छह वर्ष की सेवा होनी चाहिए ; और	
				(ख) जिन्हें वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दों और संकेतनों का ज्ञान है ;	
				(ग) वैज्ञानिक विषयों में स्वतंत्र रूप से पत्र- व्यवहार करने में अनु- भव, अधिमानतः मातृ- लिपि का ज्ञान और उसमें अनुभव हो ।	
				(प्रतिनियुक्ति/संविदा की अवधि पाँच वर्ष से अधिक नहीं होगी)	

[फा० सं० ए-12018/12/78-प्रशा० 1]

एन० सी० बटर्फी, सचिव

**DEPARTMENT OF SCIENCE & TECHNOLOGY**

New Delhi, the 27th March, 1980

**G.S.R. 428.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Staff Officer in the Personal Staff of the Secretary in the Department of Science and Technology, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Department of Science and Technology (Staff Officer) Recruitment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

**4. Disqualifications—No person,**

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such persons and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age-limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7	8
Staff Officer	1	General Central Service Group 'A' Gazetted	Rs. 1100-50-1600.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.	Not applicable.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in case of promotees	Period of probation if any	Method of rectt. by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods		In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made		If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making rectt.
9	10	11		12		13	14
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation (including short-term contract).		Transfer on deputation: (including short-term contract). Officers under the Central/State Governments/Universities/Scientific Research Institutions or Councils/Autonomous or Statutory Bodies— (a) (i) holding analogous posts or (ii) with 5 years' service in posts in the scale of Rs. 700-1300 or equivalent or (iii) with 8 years' service in posts in the scale of Rs. 650-1200 or equivalent or (iv) with 16 years' service in posts in the scale of Rs. 425-700/800 (Rs. 210-425/530 pre-revised) out of which at least 6 years' service should be in posts in the scale of Rs. 650-1200 or equivalent and (b) having knowledge of scientific and technical terms and notations; (c) experience of handling independently correspondence in Scientific matters and preferably having knowledge and experience in shorthand; (period of deputation shall not exceed 5 years).		Not applicable	Selection on each occasion shall be made in consultation with the Union Public Service Commission. Consultation with the Commission also necessary while amending/relaxing any of the provisions of these rules.

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1980

सा० का० नि० 429 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के अधीन भारतीय वनस्पति विज्ञान सर्वेक्षण में निदेशक के निजी सहायक के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. सक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का नाम भारतीय वनस्पति विज्ञान सर्वेक्षण (निदेशक का निजी सहायक) भर्ती नियम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसके वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों में उपावद्ध अनुसूची के स्तंभ 2 में 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उसमें संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तंभ 5 में 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं :—वह व्यक्ति :—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन में छूट दे सकेगी।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण है उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सोघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
निदेशक का निजी सहायक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ख' (भराजपत्रित)	550-25-750- ब०रो०-30- 900 रु०	अचयन	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
सोघे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सोघे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा।	प्रोन्नति : भारतीय वनस्पति विज्ञान सर्वेक्षण में ऐसा निजी सहायक जिसने उक्त श्रेणी में पांच वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर ली है। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : केन्द्रीय सरकार के अधीन सदृश पद धारण करने वाले अधि-	समूह 'ख' विभागीय प्रोन्नति समिति, जिसमें निम्न-लिखित होंगे :— (1) संयुक्त सचिव (प्रशा०) विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग—अध्यक्ष (2) निदेशक/संयुक्त निदेशक, भारतीय	इन नियमों के किसी उपबंध को शिथिल या संशोधित करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक होगा	

8	9	10	11	12	13
			कारो या 425-700/800 ५० के बतनमान में ऐसे निजी सहायक या भाषु- निपिक, जिन्होंने पांच वर्ष की सेवा पूरी कर ली है। (प्रतिनियुक्ति की अवधि तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)	बनस्पति विज्ञान सर्वेक्षण —सदस्य (3) उपसचिव, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग—सदस्य	

[सं० एफ 2-70/79-बी० एस० (बी)]

पी० बी० दास, हेल्थ अधिकारी

New Delhi, the 1st April, 1980

**G.S.R. 429.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Personal Assistant to Director in the Botanical Survey of India under the Department of Science and Technology, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Botanical Survey of India (Personal Assistant to Director) Recruitment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservation, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications prescribed for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Personal Assistant to Director	One	General Central Service Group 'B' (Non-Gazetted)	Rs. 550-25-750-EB-30-900	Non-Selection	Not Applicable	Not Applicable.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which transfer to be made		If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13	
Not Applicable	2 years	By promotion failing which by transfer on deputation.	Promotion: Personal Assistant in the Botanical Survey of India with 5 years' regular service in the grade.	Group 'B' Departmental Promotion Committee consisting of: (1) Joint Secretary (Administration)—Chairman	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while	



8	9	10	11	12	13
---	---	----	----	----	----

Transfer on deputation: Officers under the Central Government holding analogous posts or with 5 years' service in posts of Personal Assistants or Stenographers in the scale of Rs. 425-700/800. (Period of deputation shall not exceed 3 years).

relaxing or amending any of the provisions of these rules.

Deptt. of Science and Technology. (2) Director/Jt. Director Botanical Survey of India—Member (3) Deputy Secretary Deptt. of Science and Technology—Member

[No. F 2-70/79-BS(B)]  
P.B. DAS, Desk Officer.

### स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1980

सा० क० नि० 430 :—औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में और संशोधन करने के लिए नियमों का एक प्रारूप औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 (1940 का 23) की धारा 12 और धारा 33 की अपेक्षानुसार भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) तारीख 23 मितस्वर, 1978 में, पृष्ठ 2216 से 2219 पर भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (स्वास्थ्य विभाग) की अधिसूचना संख्या सा० क० नि० 1166 तारीख 12 जुलाई, 1978 के अधीन प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना थी उस तारीख से 90 दिन के भीतर आपत्तियां और सुझाव मांगे गए थे जिस तारीख को राजपत्र की प्रतियां जिनमें उक्त अधिसूचना प्रकाशित हो, जनता को उपलब्ध करा दी जाती हैं ;

और उक्त राजपत्र की प्रतियां 7 अक्तूबर, 1978 को जनता को उपलब्ध करा दी गई थी ;

और केन्द्रीय सरकार ने उक्त प्रारूप के संबंध में जनता से प्राप्त आपत्तियों और सुझावों पर विचार कर लिया है ;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा 12 और धारा 33 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए और औषधि तकनीकी मलाहकार बोर्ड से परामर्श करने के पश्चात् औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम औषधि और प्रसाधन सामग्री ... मंगोद्यन) नियम, 1979 है ।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. औषधि और प्रसाधन सामग्री नियम, 1945 में, अनुसूची द के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची रखी जाती है, अर्थात् :—

#### “अनुसूची द

(नियम 125 देखिए)

1. प्रविषय :—यह मानक रबड़ लैटेक्स से निर्मित ऐसे कंडोमों के लिए अपेक्षाएं विनिर्दिष्ट करना है, जिनका उपयोग एक ही बार के लिए आशयित है ।

19 GI/80—2

2. वर्णन :—कंडोम समान मोटाई के बेलनाकार रबड़ आच्छद होने हैं, जिनका एक मिरा खुला होता है । खुले मिरा के अंत में एक समुच्चार्म होता है । बंद मिरा पर एक आधान होता है । उनका प्रदाय लपेटे हुए रूप में किया जा सकता है, उनमें श्लेषण नहीं होना चाहिए तथा वे ऐसे होने चाहिए कि सहज ही खिल कर फैलाए जा सकें ।

3. सामग्री :—(1) कंडोम अच्छी क्वालिटी के रबड़ लैटेक्स से विनिर्मित किए जाएंगे और वे सन्नित्तित छिद्र से मुक्त होंगे तथा वे बरकन सामग्री या स्नेहक का प्रयोग किए जाने के पहले, अपारदर्शी या पारभासी होंगे ।

(2) प्रयुक्त रबड़ लैटेक्स, रंग और कंडोमों पर प्रयुक्त बरकन सामग्री या स्नेहकों में न तो ऐसे पदार्थ होने चाहिए और न ही ऐसे पदार्थ उनसे निकलने चाहिए जिनकी बावत यह ज्ञात हो कि उपयोग की प्रभावमान्य दशाओं में उनके प्रभाव विषाक्त या अन्य प्रकार से हानिकारक होने हैं । प्रयुक्त की गई किसी बरकन सामग्री या स्नेहक या रंग का कंडोमों पर या उनका उपयोग करने वालों पर हानिकारक प्रभाव नहीं पड़ना चाहिए ।

4. उत्पादन के दौरान नमूने लेने की प्रक्रिया :—(1) परीक्षण नमूने, उत्पादन की प्रत्येक मात्रा में से, अर्थात् एक ही परिष्कृत रबड़ लैटेक्स से तथा विनिर्माण की एक ही प्रसंस्करण और परिष्करण दशाओं में उत्पादित मात्रा में से क्रमशः यत्न-नत्न से किए जाएंगे, तथा प्रत्येक मात्रा में से नमूनों का पृथक-पृथक परीक्षण, इस अनुसूची में वर्णित परीक्षणों के अनुसार, इस बात का अभिनिश्चय करने के लिए किया जाएगा कि मात्रा विनिर्दिष्ट अपेक्षाओं के अनुरूप है या नहीं ।

(2) (क) प्रत्येक मात्रा से लिए गए नमूनों की संख्या, प्रत्येक मात्रा में कंडोमों की संख्या के एक प्रतिशत से कम नहीं होनी चाहिए ।

(ख) प्रत्येक मात्रा से लिए गए नमूनों की संख्या का इस अनुसूची में वर्णित पद्धति के अनुसार, वायु स्फीति परीक्षण और जलरक्षण परीक्षण किया जाएगा ।

(ग) उत्पादन मात्रा के किसी अनुक्रम में से परीक्षण नमूने “एन” की संख्या और अस्वीकृत नमूनों “आर” की संख्या एक रजिस्टर में अभिलिखित की जाएगी । परीक्षण नमूनों “एन” की संख्या योग और परीक्षण में से अस्वीकृत “आर” का संचयी योग अभिलिखित किया जाएगा तथा कंडोमों की बावत यह तभी समझा जाएगा कि वे अपेक्षाओं के अनुरूप हैं, जब अस्वीकृत “आर” का संचयी योग  $0.01 \text{ एन} + 3\sqrt{0.01 \text{ एन}}$  से अधिक नहीं है ।

निम्नलिखित सारणी दर्शित करती है कि यह सूत्र, मात्राओं को किसी विशेष श्रृंखला के लिए किस प्रकार लागू होता है :—

## सारणी

## कंडोमों के नमूनों का लिया जाना

मात्रा नं०	मात्रा का आकार	परीक्षण नमूनों की संख्या	कितनी संचयी संख्या एन का परीक्षण किया गया (एन)	अस्वीकृत (आर) का संचित योग निम्नलिखित से अधिक नहीं होना चाहिए
1	2	3	4	5
1. 10,000		100	100	4
2. 10,000		100	200	6
3. 20,000		200	400	10

(3) 100 परीक्षण नमूनों के प्रत्येक एकक को, विभिन्न परीक्षणों के लिए निम्नलिखित रूप से वितरित किया जाएगा :—

50 वायु स्फीति परीक्षण के लिए ; और

50 जल क्षरण परीक्षण के लिए ।

(4) जहां परीक्षण नमूनों की संख्या 100 का कोई गुणज है, वहां ऊपर वर्णित वितरण माल यथा अनुपात रखा जाएगा ।

(5) यदि अस्वीकृत नमूनों का संचयी योग, मात्राओं के अनुक्रम में किसी बिन्दु पर अनुज्ञेय नमूनों की संख्याओं से अधिक हो जाता है तो वह मात्रा जिसमें ऐसा होता है, अस्वीकार की जा सकेगी । आगे की उत्पादन मात्राओं के क्वालिटी निर्धारण के अंतर्गत मात्रा संख्या एक से लेकर सभी पूर्व परीक्षण परिणाम सम्मिलित हैं, तथा उत्पादन का अनुमोदन तब तक निलम्बित रहेगा जब तक कि स्कीम द्वारा अपेक्षित शर्तें फिर से पूरी नहीं कर दी जाती हैं ।

(6) 10,000 से अनधिक कंडोम के प्रत्येक उत्पादन मात्रा में से कम से कम एम नमूना यत्र-तत्र से लिया जाएगा और वह पैरा 9 के अधीन दी गई लम्बाई-चौड़ाई संबंधी सभी सुसंगत अपेक्षाओं की पूर्ति करेगा ।

(7) प्रत्येक बैच से 30 नमूने यत्र-तत्र से लिए जाएंगे और निम्न-लिखित विवरण के अनुसार उनके विभिन्न परीक्षण किए जाएंगे :—

10 नमूने तनन सामर्थ्य के लिए (काल प्रभावन से पूर्व और पश्चात्)

10 विच्छेद वृद्धि के लिए (प्रयोग से पूर्व और पश्चात्)

10 नमूने तनाव-वृद्धि के लिए ।

यदि कोई भी नमूना उक्त परीक्षण में विफल हो जाता है तो यह घोषणा कर दी जाएगी कि सम्पूर्ण बैच ही मानक क्वालिटी नहीं है ।

#### 5. विनिर्माता द्वारा तैयार उत्पादों के नमूने लेने और परीक्षण करने की प्रक्रिया

##### (क) वायु स्फीति परीक्षण और जल क्षरण परीक्षण

(1) तैयार उत्पादों के वायु स्फीति और जल क्षरण परीक्षण संबंधी क्वालिटी नियंत्रण निर्धारण के लिए सांख्यिकीय नमूने इस अनुसूची के उपाबंध-1 में उपवर्णित योजना के अनुसार लिए जाएंगे ।

(2) यदि परीक्षण नमूना किसी भी परीक्षण में विफल रहता है तो उसे त्रुटिपूर्ण समझा जाएगा । यदि अस्वीकृत “आर” का संचयी योग उपोबंध से “आर” के नीचे दर्शित संख्या के बराबर या उससे अधिक

पाया जाता है तो यह घोषित किया जाएगा कि वह बैच या लाट मानक क्वालिटी का नहीं है ।

(ख) लम्बाई-चौड़ाई—लाट या बैच में से लिए गए कम से कम 2 नमूने, पैरा 9 के अधीन लम्बाई-चौड़ाई संबंधी अपेक्षाओं के अनुसार होंगे ।

(ग) तनन-गुण—लाट या बैच में से लिए गए कम से कम 15 नमूनों, पैरा 12 के अनुसार तनन गुणों से संबंधित अपेक्षाओं के अनुसार होंगे ।

#### 6. क्रेता द्वारा कंडोमों के नमूने लेने और परीक्षण प्रक्रिया

(क) वायु स्फीति परीक्षण और जल क्षरण परीक्षण :

(1) क्रेता द्वारा कंडोमों के वायु स्फीति परीक्षण और जल क्षरण परीक्षणों के लिए सांख्यिकीय नमूने इस अनुसूची के उपाबंध-2 में उपवर्णित योजना के अनुसार लिए जाएंगे ।

(2) यदि परीक्षण नमूना किसी परीक्षण में विफल रहता है तो उसे त्रुटिपूर्ण समझा जाएगा । यदि अस्वीकृत “आर” का संचयी योग 5 उपाबंध 2 में “आर” के नीचे दर्शित संख्या के बराबर या उससे अधिक पाया जाता है तो यह घोषित किया जाएगा कि वह बैच या लाट मानक क्वालिटी का नहीं है ।

(ख) लम्बाई-चौड़ाई :—लाट या बैच में से लिए गए कम से कम 2 नमूने, पैरा-9 के अधीन लम्बाई-चौड़ाई संबंधी अपेक्षाओं के अनुसार होंगे ।

(ग) तनन-गुण :—लाट या बैच में से लिए गए कम से कम 15 नमूने, पैरा-12 के अनुसार तनन-गुणों से संबंधित अपेक्षाओं के अनुसार होंगे ।

7. औषधि निरीक्षक के लिए नमूने लेने की योजना :—(1) जहां औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के अधीन कोई निरीक्षक किसी विनिर्माता या किसी वितरण डिपो के परिसर से परीक्षण नमूने लेना चाहता है वहां वह उत्पादन के प्रत्येक बैच में से यत्र-तत्र से 20 आधानों का चयन कर सकेगा और इन आधानों में से प्रत्येक में से 5 नमूने लिए जाएंगे । इस प्रकार चुने गए 100 नमूनों पैरा 8 में यथा विनिर्दिष्ट विभिन्न परीक्षणों के लिए वितरित किए जाएंगे । यदि आधानों की संख्या 20 से कम है तो प्रत्येक आधान में से लिए जाने वाले नमूनों की संख्या उसी अनुपात में बढ़ा दी जायेगी ।

(2) जहां औषधि और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के अधीन कोई निरीक्षक किसी विक्रय परिसर से नमूने लेना चाहता है, वहां वह उत्पादन के प्रत्येक बैच में से 100 नमूने उप पैरा (1) में विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुसार लेगा ।

8. नमूने के रूप में पैरा 7 के अधीन निकाले गए कंडोम विभिन्न परीक्षणों के लिए निम्नलिखित रूप से वितरित किए जाएंगे :—

2 नमूने मोटाई, लम्बाई, चौड़ाई और भार के लिए ;

40 नमूने वायु स्फीति परीक्षण के लिए ;

40 नमूने जल क्षरण परीक्षण के लिए ; तथा

18 नमूने तनन सामर्थ्य, विच्छेद दैर्घ्यवृद्धि तनाव सेट आदि के लिए (इनमें से 3 को आरक्षित कर लिया जाएगा) ।

निम्नलिखित दशाओं में यह घोषित कर दिया जाएगा कि नमूना मानक क्वालिटी का नहीं है, अर्थात् :—

(1) यदि वायु स्फीति परीक्षण और जल क्षरण परीक्षण में विफल पाए जाने वाले कंडोमों की संख्या उससे अधिक है, या

(2) नमूना पैरा 9 के अधीन लम्बाई-चौड़ाई या पैरा 12 के अधीन तनन गुणों के अनुरूप नहीं है ।

9. लम्बाई चौड़ाई (1) खोल कर फैलाने पर (चुचुक को छोड़कर) लम्बाई 100 मि० मी० से कम नहीं होगी।

(2) कंडोम की चौड़ाई सपाट रखे जाने पर और खुले सिरे से 70 मि० मी० और 90 मि० मी० के बीच किसी बिंदु पर नापे जाने पर 50 मि० मी० + 5 मि० मी० होगी।

(3) कंडोम की दोनों परतों की मोटाई खुले सिरे से 70 मि० मी० और 90 मि० मी० के बीच किसी बिंदु पर नापे जाने पर 0.14 मि० मी० से अधिक नहीं होगी।

टिप्पण :—1. दोनों परतों की मोटाई का अवधारण, 0.01 मि० मी० के अंतर पर अंशकित समुचित सूक्ष्म मापी डायल गेज से किया जाएगा।

टिप्पण—2 जो कंडोम स्नेहित या पाउडर लगे है उनको स्नेहक, या पाउडर मोटाई की नाप किए जाने से पूर्व, जल या प्रोपेन-22.01 के द्वारा साफ किया जाएगा।

(4) कंडोम का भार 1.6 ग्राम से अधिक नहीं होगा।

10. वायु स्फीति परीक्षण

(1) जिन कंडोमों का वायु स्फीति परीक्षण किया जाता है वे 35 मि० मी० के व्यास वाले मेंब्रेन पर खोले जाने पर, आसानी से फैलाए जा सकेंगे। जो कंडोम त्रिकांकन के कारण खोल कर फैलाए जा सकने योग्य नहीं है श्रव्योक्त कर दिया जाएगा और उन्हें श्रव्योक्त कंडोमों के संघयी योग में गिना जाएगा।

(2) कंडोम कोट्टा भर कर 150 मि० मी० के व्यास तक फुलाए। फैलाए गए नमूने की दृष्टि से परीक्षा की जाएगी कि उसमें सूक्ष्म छिद्र या बाह्य पदार्थ तो नहीं है। ऐसा कोई दोष प्रकट नहीं होना चाहिए। फुलाए गए कंडोम की परीक्षा एक मिनट से पूरी कर ली जाएगी। यदि वायु-स्फीति या कोई दृश्य दोष प्रकट होता है परीक्षण के दौरान कंडोम में बाह्य पदार्थ पाया जाता है तो कंडोम का जल धारण परीक्षण भी किया जाना चाहिए और यदि यह बाद के परीक्षण में विफल हो जाता है तो उसे श्रव्योक्त कंडोमों के संघयी योग में सम्मिलित किया जाएगा।

टिप्पण :—खुले सिरे से 50 मि० मी० के भीतर के सूक्ष्म छिद्रों की उपेक्षा की जा सकती है।

(3) जिन नमूनों का वायु स्फीति परीक्षण किया जा चुका है उनका उपयोग इस अनुसूची में वर्णित किसी अन्य परीक्षणों के लिए नहीं किया जाएगा।

11. जल धारण परीक्षण :—(1) नमूने को लगभग 45 मि० मी० व्यास वाले एक समुचित माउण्ट के गिरे पर लगाएं। यह सुनिश्चित कर लें कि नमूने की बाहरी सतह सूखी है। कंडोम में 50 मि० लि० जल डालिए, धीरे-धीरे बहाए और चुचुक क्षेत्र की यह देखने के लिए परीक्षा कीजिए कि कंडोम से धारण तो नहीं हो रहा है। यदि कोई धारण नहीं है तो 250 मि० लि० जल और डालिए, और यह सुनिश्चित कीजिए कि बाहरी सतह पर जल न हो। यदि आवश्यक है तो बाहरी सतह को धीरे धीरे कपड़े की गद्दी से या साफ़ से पोछ डालिए, जिससे कि संयोग बाद बिखरा हुआ जल साफ हो जाए। धरे हुए कंडोम को, उसका खुला सिरा ऊपर की ओर रख कर कम से कम 3 मिनट तक लटका दीजिए। पानी की बूंदें दिखाई नहीं देनी चाहिए।

टिप्पण :—खुले सिरे से 50 मि० मी० के भीतर सूक्ष्म छिद्रों की उपेक्षा की जा सकती है।

12. तनन सामर्थ्य, विच्छेद दैर्घ्यवृद्धि और तनाव—सेट :—(1) कंडोमों के नमूनों से लिए गए रबर का अमृत, तनन सामर्थ्य विच्छेद दैर्घ्यवृद्धि और तनाव सेट, कम से कम पांच परीक्षण परिणामों के न्यूनतम और अधिकतम का अपर्याप्त करके, निम्नलिखित अपेक्षाओं के अनुरूप होगा, अर्थात् :—

मूल

किसी वायु प्राप्ति से 96 घंटे तक 70+1 से० पर स्वरित काल प्रभावन के पश्चात् मूल से अधिकतम अनुज्ञेय अन्तर

(i) तनन सामर्थ्य + 10 प्रतिशत  
170 मि० ग्रा० वर्ग से० मी० न्यूनतम - 30 प्रतिशत

(ii) विच्छेद दैर्घ्यवृद्धि + 10 प्रतिशत  
650 प्रतिशत न्यूनतम - 15 प्रतिशत

(iii) तनाव सेट

यदि रबर का विच्छेद दैर्घ्यवृद्धि के 70 प्रतिशत तक खींचा जाता है, तो उसे इस तनी हुई दशा में 10 मिनट तक और 10 मिनट तक पूर्वावस्था में रहने दिया जाता है तो अधिकतम अनुज्ञेय अन्तर 10 प्रतिशत होना चाहिए।

(2) इस बात का अवधारण करने के लिए परीक्षण कि सामग्री तनन सामर्थ्य और विच्छेद दैर्घ्यवृद्धि की अपेक्षाओं के अनुसार है, उपाबंध 3 और 4 में वर्णित समुचित पद्धतियों के अनुसार किए जाएंगे।

13. रंग का पक्का होना :—रंगीत कंडोमों के प्रत्येक बैच में से लिए गए कम से कम नमूनों का उनके रंग के पक्केपन के लिए निम्नलिखित परीक्षण किया जाएगा, अर्थात् :—कंडोमों को आसुत जल से अंदर और बाहर की ओर गोला कर लें। उस पर से बुरकन सामग्री या स्नेहक को पोछने का प्रयत्न न करें। अब गोल कंडोम को सफेद अवशेषक कागज में इस प्रकार सपेट में जिससे कि कंडोम का अधिक से अधिक सतही क्षेत्र कागज के सम्पर्क में आए जाए और तभी सूखने न पाए इसलिए उसे किसी उपयुक्त आधान में सील बंद कर दें। अब आधान और उसकी अंतर्वस्तुओं को कक्ष-तापक्रम पर 16 से 24 घंटे तक रहने दें। आधान से अवशेषक कागज हटाने के बाद, उसे दिन के प्राकृतिक प्रकाश में देखिए कि उस पर कोई धब्बा तो नहीं है। अवशेषक कागज को किसी भी भाग पर धब्बा नहीं पड़ना चाहिए। यदि अवशेषक कागज पर किसी कंडोम या किसी बुरकन सामग्री या स्नेहक में मौजूद किसी रंजक तत्व के धब्बे उपदर्शित होते हैं तो यह घोषणा कर दी जाएगी कि सम्पूर्ण बैच ही मानक क्वालिटी का नहीं है।

14. लेबल लगाना, पंक करना और भंडारण :—(1) पैकिंग संदूषण और यांत्रिक नुकसान से कंडोमों की रक्षा करेगा। ग्राहक को दिए जाने वाले सबसे छोटे पैकिंग पर निम्नलिखित विषयों स्पष्ट और स्थायी रूप में अंकित की जाएगी :

(1) विनिर्माता का नाम और पता तथा कंडोमों का व्यापार नाम, यदि कोई है।

(2) बैच संख्या।

(3) विनिर्माण की तारीख (केवल मास और वर्ष)।

(4) अनुपयोगी होने की तारीख (केवल मास और वर्ष) जो विनिर्माण की तारीख से 36 मास से अधिक की नहीं होगी।

(5) "केवल एक बार उपयोग के लिए" शब्द।

(2) कंडोमों का ऊष्मा और संधी धूप से दूर किसी ठंडे सूखे स्थान पर भंडारित किया जायेगा।

## उपाबंध—1

(पैरा 4 और 5 देखिए)

“विनिर्माता के स्तर पर कंडोमों के क्वालिटी नियंत्रण के लिए नमूने लेने की योजना

वैच आकार, 35001 से 1.5 लाख तक	
एकल नमूने लेने की योजना	
नमूना आकार 500:	एक्यू एल—1.0 ए सी—10 आर—11
वैच आकार, 1.5 लाख से 5 लाख तक	
एकल नमूने लेने की योजना	
नमूना आकार:	एक्यू एल—10 ए सी—14 आर—15
वैच आकार, 5 लाख से अधिक	
एकल नमूने लेने की योजना	
नमूना आकार:	एक्यू एल—1.0 ए सी—21 आर—22

\*एक्यू एल से अभिप्रेत है स्वीकार्य क्वालिटी स्तर ए० सी० से स्वीकार्य संख्या, अर्थात् वैच की स्वीकृति के लिए स्वीकार्य खराब कंडोम की अधिकतम संख्या आर० से अस्वीकृत संख्या, अर्थात् : वैच के अस्वीकार किए जाने के लिए खराब कंडोमों की न्यूनतम संख्या अभिप्रेत है।

## उपाबंध—2

(पैरा 6 देखिए)

श्रेता के स्तर पर कंडोमों के क्वालिटी नियंत्रण के लिए नमूना लेने की योजना

वैच आकार 35001 से 1.5 लाख तक	
एकल नमूना लेने की योजना	
नमूना आकार 500	एक्यू एल—1.5 ए० सी०—14 आर—15
वैच आकार 1.5 लाख से 5 लाख तक	
एकल नमूना लेने की योजना	
नमूना आकार 800:	एक्यू एल—1.5 ए सी—21 आर—22
वैच आकार 5 लाख से अधिक	
एकल नमूना लेने की योजना	
	एक्यू एल—1.5 ए सी—21 आर—22

\*ए० सी० एल० से अभिप्रेत है स्वीकार्य क्वालिटी स्तर ए० सी० से स्वीकार्य संख्या, अर्थात् वैच की स्वीकृति के लिए स्वीकार्य खराब कंडोम की अधिकतम संख्या आर० से अस्वीकृत संख्या, अर्थात् : वैच के अस्वीकार किए जाने के लिए खराब कंडोमों की न्यूनतम संख्या अभिप्रेत है।

## उपाबंध—3

(पैरा 12 देखिए)

तनन सामर्थ्य और विच्छेद दैर्घ्यवृद्धि का अवधारण करने के लिये परीक्षण की पद्धतियाँ

1. परीक्षण सिद्धांत :—परीक्षण में, डब—बेल आकार के परीक्षण-नमूनों को, तनन परीक्षण यंत्र में फुली की परिचालित पकड़ के चक्रम की एक सामान गति पर ताना जाना है। भार और दैर्घ्यवृद्धि के पाठ्यांक अपेक्षानुसार, परीक्षण नमूने के निरंतर तनन के दौरान और जब वह विच्छिन्न हो जाता है तब लिए जाते हैं।

2. साधित्र :—माकंर :—डब, बेल परीक्षण नमूनों पर निर्देश रेखाओं की चिह्नित करने के लिए माकंर में दो सामानान्तरण क्षुरधार होनी चाहिए। वे चिकनी सीधी और ठीक होनी चाहिए। इन क्षुरधारों के केन्द्रों के बीच की दूरी  $25.0 \pm 0.1$  कि० मी० होगी। रेखाओं की मोटाई 0.05 से 0.08 मि० मी० तक होगी।

तनन परीक्षण यंत्र :

यह यंत्र इतनी सामर्थ्य वाला होना चाहिए कि परीक्षण नमूने को विच्छिन्न करने के लिए अपेक्षित अधिकतम भार, घोषित सामर्थ्य से 85 प्रतिशत से अधिक और 15 प्रतिशत से कम नहीं होगा। शक्ति प्रवर्धित पकड़ के चक्रम की गति 50.2 से० मी० होगी और वह हर समय एक समान रहेगी। कम से कम 75 से० मी० की पकड़ के संभव पृथक्करण की व्यवस्था की जाएगी। दैर्घ्यवृद्धि नापने के लिए यंत्र में 1 मि० मी० पर अंशकित माप या अन्य युक्ति की व्यवस्था की जाएगी जैसा कि डबबेल पर गेज चिह्नों के बीच की दूरी से दर्शित है।

मशीन में पकड़ की ऐसी व्यवस्था होगी कि पकड़ स्वतः कमती जाए जैसे-जैसे तनाव बढ़े वैसे-वैसे उत्तरोत्तर पकड़न-सतहों के आर-पार, एक समान दबाव पड़े, जिससे कि असम फिसलन न हो और नमूना अपने संकीर्ण भाग में न दबे। यह उचित होगा कि प्रत्येक पकड़ के सिरे पर एक स्थितक युक्ति लगाई जाए जिससे कि उसके हनु में सभी नमूने समान गहराई तक घुस सकें और अधिमर्ष की दिशा में लंबवत रहे।

टिप्पण :—यह यंत्र शक्ति-चालित होना चाहिए।

3. तनन परीक्षण मशीन का अंशकन :—भार स्केल और अभिलेखन यंत्रावली यह सुनिश्चित करने के लिए तीन मास में कम से कम एक बार अंशकति की जाएगी कि भार माप-दोष, प्रयुक्त भार के दो प्रतिशत से अधिक न रहे।

4. परीक्षण नमूने की तैयारी :—परीक्षण नमूना डब—बेल का होना है जो डाई से पंच किए जाने पर, वह रूप प्राप्त कर लेगा जो नीचे की आकृति में दर्शित है और जो आकृति के साथ पढ़ी जाने पर, नीचे की माण्णी में दी गई लम्बाई-चौड़ाई के अनुरूप होगी।

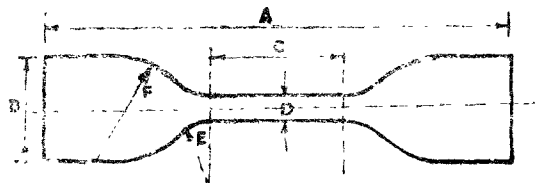


FIG 12—DUMB-BELL TEST PIECES

5. मि० मी० में डब—बेल परीक्षण नमूनों की लम्बाई चौड़ाई मि० मी० में

क—समग्र लंबाई, न्यूनतम	115
ख—सिरों की न्यूनतम चौड़ाई	$25 \pm 1$
ग—संकीर्ण समानान्तर भाग की लम्बाई	$33 \pm 2$
घ—संकीर्ण समानान्तर भाग की चौड़ाई	$6.0$ से $6.4$ तक

ड—छोटा घेरा	14 ± 1
ब—बड़ा घेरा	25 ± 2

+ एक डाई के भीतर का अन्तर 0.05 मि०मी० में अधिक नहीं होना चाहिए।

6. डब-बेल आकार परीक्षण नमूनों की माप :—ऐसे सूक्ष्ममापी द्वारा मोटाई नापिए, जिसका अधोभाग खड पर 200 ग्राम प्रति वर्ग से० मी० का दबाव डालता है। परीक्षण भाग की चौड़ाई की बाबत यह माना जाता है कि वह डाई के संकीर्ण मध्य भाग के कर्तन मिरे के बीच की चौड़ाई के बराबर है; इस प्रयोजन के लिए डाई की इस भाग की चौड़ाई निकटतम 0.05 मि०मी० तक नापी जाती है। तीनों मापों, अर्थात्, एक मध्य में और दो प्रत्येक पाश्वर्य पर का औसत लीजिए।

7. परीक्षण नमूनों का प्रानुकूलन :—घलकालित खड के गुणधर्म निरंतर समय के साथ-साथ बदलते रहते हैं, ये परिवर्तन घलकर्मकरण के पश्चात् के पहले चौबीस घंटों के दौरान विशिष्ट रूप से द्रुत होते हैं। इस अवधि में कोई परीक्षण न कीजिए; विभिन्न खडों की ठीक-ठीक तुलना करने के लिए यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि उनके घलकर्मकरण के पश्चात् उनका लगभग एक ही अंतराल परीक्षण किया जाए। नमूनों और परीक्षण नमूनों को जहाँ तक सम्भव हो, प्रकाश में बचाइये। नमूनों की आवश्यक तैयारी के पश्चात्, परीक्षण के ठीक पहले कम से कम 12 घंटे तक परीक्षण तापमान पर प्रानुकूलित कीजिए।

8. परीक्षण तापमान :—जब तक कि अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं किया जाता, परीक्षण  $27^{\circ} \pm 2^{\circ}$  से ग्रे पर कीजिए।

9. तनन सामर्थ्य और दैर्घ्यवृद्धि का अवधारण :—एक डब घल परीक्षण नमूने को तनन परीक्षण मशीन के ग्रिप्स में घुसाइयों और इस बात का ध्यान रखिए कि उसे सममित रूप में समायोजित किया जाए, जिसमें कि तनाव अनुप्रस्थकाट पर एक समान वितरित हो जाए। यदि परीक्षण नमूने के दूसरी ओर की अपेक्षा एक ओर अधिक तनाव है तो निर्देश रेखाएँ समानान्तर नहीं रहेंगी और खड की अधिकतम सामर्थ्य विकसित नहीं होंगी। तब मशीन को चलाइये और निर्देश रेखाओं के केन्द्रों के बीच की दूरी की अपेक्षानुसार निकटतम 1 मि० मी० तक, पेरिस्केस का परिवर्जन करने का ध्यान रखते हुए, तब तक नापिए जब तक कि परीक्षण नमूना यदि आवश्यक हो तो विच्छिन्न न हो जाए। परीक्षण नमूने पर भार, अपेक्षानुसार अंकित कीजिए।

परिणामों का परिकलन :

10. तनन सामर्थ्य :—तनन सामर्थ्य का परिकलन, परीक्षण नमूने के विच्छेद पर भार को अनुप्रस्थ काट के आरंभिक क्षेत्र से भाग देकर कीजिए। पांच परीक्षण परिणामों में से उच्चतम और न्यूनतम को छोड़कर औसत तनन सामर्थ्य की रिपोर्ट कीजिए। ऐसे किमी डब-बेल परीक्षण नमूने का परिणाम, जो संकीर्ण भाग (निर्देश रेखाओं) के बाहर टूट जाता है, को छोड़ दीजिए।

11. विच्छेद दैर्घ्यवृद्धि :—डब-बेल परीक्षण नमूने पर निर्देश रेखाओं के बीच की आरंभिक दूरी को विच्छेद बिंदु पर रेखाओं के बीच की दूरी में से घटा कर तथा परिणाम को आरंभिक दूरी के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त करके विच्छेद दैर्घ्यवृद्धि का परिकलन कीजिए। पांच परीक्षण परिणाम में से उच्चतम और न्यूनतम को छोड़कर औसत विच्छेद दैर्घ्यवृद्धि की रिपोर्ट कीजिए। ऐसे किमी डब-बेल परीक्षण नमूने का परिणाम जो संकीर्ण भाग के बाहर टूट जाता है, को छोड़ दीजिए।

#### उपाखण्ड-4

(पैरा 12 देखिए)

स्वरित कालप्रभावन के लिए परीक्षण की पद्धति

1. परीक्षण का निष्ठात्व :—कहें हुए तापमान और वायु-मण्डलीय दाब पर, परीक्षण नमूने को वायु द्वारा नियंत्रित क्षय के अधीन करने के पश्चात् तनन सामर्थ्य और विच्छेद का दैर्घ्यवृद्धि का नापा जाता है।

2. साधिव :—वायु आवा का आकार ऐसा होगा कि परीक्षण नमूनों का कुल आयतन आवे के मुक्त वायु क्षेत्र के 10 प्रतिशत से अधिक न हो। परीक्षण-नमूनों को लटकाने की व्यवस्था की जायेगी जिससे कि वे एक दूसरे से या आवे के पश्चो से 10 मि० मी० के भीतर न हों। आवे में प्रति घंटा कम से कम तीन और अधिक से अधिक दस परिवर्तनों वाले बंद वायु परिचालन की व्यवस्था की जाएगी। इस बात का भी ध्यान रखा जाएगा कि अंदर आने वाली वायु, परीक्षण नमूनों के संपर्क में आने के पहले जाने के तापमान तक गर्म हो जाए। आवे के तापमान का ताप-स्थान नियंत्रण किया जाएगा जिससे कि परीक्षण नमूने विनिर्दिष्ट काल-प्रभावन तापमान  $\pm 1^{\circ}$  से० के भीतर रहें। काल प्रभावन परीक्षण नमूने के केन्द्र के निकट एक थर्मामीटर वास्तविक काल प्रभावन तापमान अभिलिखित करने के लिए रखा जाएगा।

टिप्पण :—विहित आवे के सन्निर्माण की मामूरी के लिए तांबा या ताया मिश्रित धातु को उपयोग में नहीं लाया जाएगा।

3. परीक्षण नमूना : तैयार परीक्षण नमूनों का रूप ऐसा होगा कि काल प्रभावन के पश्चात् कोई यांत्रिक, रासायनिक या ऊष्मोपचार अपेक्षित न रहे। केवल ममान लम्बाई चौड़ाई वाले और लगभग उनमें की खुले क्षेत्रों वाले परीक्षण नमूनों की तुलना कीजिए। उन्हें परीक्षण के पहले नापिए और काल प्रभावन की अवधि पूरी हो जाने के पश्चात् चिह्नित कीजिए।

4. आवे का तापमान : को  $70^{\circ} \pm 1^{\circ}$  से० पर बनाए रखिए

5. परीक्षण की अवधि :—96 घण्टे।

6. प्रक्रिया :—सभी परीक्षण नमूनों को, काल-प्रभावन अवधि के आरंभ के पहले कम से कम 24 घंटे और अधिक से अधिक 14 दिन तक अंदरे में रखिए। यह ध्यान रखिए कि बंडार को स्थान त्वरित काल प्रभावन परीक्षण के अंदरे लाने से पहले उसका अधिकतम ताप  $30^{\circ}$  से० से अधिक न हो। काल प्रभावन परीक्षण नमूनों का परीक्षण, काल प्रभावन अवधि के आरंभ में 14 दिन के भीतर कीजिए। परीक्षण नमूनों को, कार्य प्रचालन तापमान तक पूर्वनापित कर दिए जाने के पश्चात् आवे में रखिए। परीक्षण नमूने स्थिर रहें, मुक्त रहें, सभी ओर से वायु में मुक्त रहें और प्रकाश में न रहें। जब काल प्रभावन अवधि पूरी हो जाए तब परीक्षण नमूनों को आवे से निकालिए और कम से कम 16 और अधिक से अधिक 96 घण्टे तक उन्हें मुक्त दशा में भंडारित तथा प्रानुकूलित कीजिए और तत्पश्चात् अध्ययन किए जाने वाले विशिष्ट भौतिक गुणधर्म के लिए, समुचित परीक्षण पद्धतियों में दिए गए व्योरो के अनुसार, प्रानुकूलित कीजिए।

[सं० एक्स-11013/5/77-डी० एण्ड एम० एम०]

जी० पंचापेक्शन, अवर सचिव

#### MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (Department of Health)

New Delhi, the 2nd April, 1980

**G.S.R. 430.**—Whereas certain draft rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, were published, as required by sections 12 and 33 of the Drugs and Cosmetics Act, 1940 (23 of 1940), at pages 2216 to 2219 of the Gazette of India Part II, Section 3, Sub-Section (i), dated the 23rd September, 1978 under the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. G.S.R. 1166, dated the 12th July, 1978 inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby, before the expiry of 90 days from the date on which the copies of the Official Gazette containing the said notification were made available to the public;

And whereas copies of the said Gazette were made available to the public on the 7th October, 1978;

And whereas the objections and suggestions received from the public on the said draft have been considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sections 12 and 33 of the said Act, the Central Government after consultation with the Drugs Technical Advisory Board, hereby makes the following rules further to amend the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, namely:—

1. (1) These rules may be called the Drugs and Cosmetics (1st Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) In the Drugs and Cosmetics Rules, 1945, for Schedule R, the following Schedule shall be substituted, namely:—

#### "SCHEDULE R

(See rule 125)

1. Scope.—This standard specifies the requirements for condoms made of rubber latex intended for single use.

2. Description.—Condoms consist of cylindrical rubber sheaths with one end open. The open end shall terminate with an integral rim. The closed end may have a receptacle. They may be supplied rolled and shall be free from tackiness and shall be capable of being unrolled readily.

3. Materials.—(1) Condoms shall be manufactured from good quality rubber latex and shall be free from embedded grit and shall be opaque or translucent prior to the application of dusting materials or lubricants.

(2) The rubber latex, colours used and any dusting materials or lubricants applied to the condoms shall neither contain nor liberate substances which are known to have toxic or other harmful effects under normal conditions of use. Any dusting material or lubricant or colour used shall not have deleterious effect on the condoms or be harmful to the users.

4. Procedure for sampling during production.—(1) Specimens constituting the test samples shall be taken at random successively from each quantum of production that is, from the quantity produced from the same finished rubber latex and under the same processing and finishing conditions of manufacture and samples from each quantum shall be tested separately to ascertain conformity of quantum with the specified requirements in accordance with the tests described in this Schedule.

(2) (a) The number of samples drawn from each quantum shall be not less than 1 per cent of the number of condoms in each quantum.

(b) The number of samples drawn from each quantum shall be tested for air inflation test and water leakage test in accordance with the method described in this Schedule.

(c) The number of test samples 'N' and the number of rejected samples 'R' from a sequence of production quanta shall be recorded in a register. The cumulative total of test samples 'N' and the cumulative total of rejected 'R' from the test shall be recorded and the condoms shall be deemed to comply with the requirements if the cumulative total of rejected 'R' is not more than  $0.01N + 3\sqrt{0.01N}$

The following Table shows how this formula operates for a typical series of quanta :

TABLE  
SAMPLING OF CONDOMS

Quantum No.	Size of Quantum	Number of test samples	Cumulative number tested (N)	Cumulative total of rejected (R) to be not more than
1	2	3	4	5
1	10,000	100	100	4
2	10,000	100	200	6
3	20,000	200	400	10

(3) Each unit of 100 test samples shall be distributed for the various tests as follows:—

50 for air inflation test; and

50 for water leakage test.

(4) Where the number of test samples is a multiple of 100 the distribution scale mentioned above shall be prorated.

(5) If the cumulative total of samples rejected exceeds the number of allowables at any point in the sequence of quanta, the quantum at which this occurs shall be liable to rejection. The assessment of quality of further production quanta shall include all previous test results starting from quantum number 1 and approval of production shall be in suspense until the condition required by the scheme is again fulfilled.

(6) At least one sample shall be taken at random from each production quantum not exceeding 10,000 condoms and shall satisfy all relevant requirements regarding dimensions as under paragraph 9.

(7) 30 samples shall be taken at random from each batch and subjected to various tests as detailed below:—

10 samples for Tensile Strength (before and after ageing)

10 Samples for Elongation at break (before and after ageing)

10 samples for Tension Set.

If any sample fails in the above tests, the entire batch shall be declared as not of standard quality.

5. Procedure for sampling and testing of finished products by a manufacturer:—

A. Air Inflation Test and Water Leakage Test:—(1) Statistical sampling for quality control assessment of the finished product in respect of air inflation test and water leakage test shall be done in accordance with the plan set out in Annexure—I to this Schedule.

(2) A test sample failing in any of the above tests is to be considered as defective. If the cumulative total of rejects 'R' is found to be equal to or greater than the number shown against 'R' in the Annexure-I, the batch or lot shall be declared as not of standard quality.

B. Dimensions.—At least 2 samples drawn from the lot or batch shall satisfy the requirements regarding Dimensions as under paragraph 9.

C. Tensile properties.—At least 15 samples drawn from the lot or batch shall satisfy the requirements of tensile properties as under paragraph 12.

6. Procedure for sampling and testing of condoms by a purchaser—

A. Air Inflation Test and Water Leakage Test.—(1) Statistical sampling of condoms by a purchaser for air inflation test and water leakage test shall be done in accordance with the plan set out in Annexure-II to this Schedule.

(2) A test sample failing in any of the above tests is to be considered as defective. If the cumulative total of rejects 'R' is found to be equal to or greater than the number shown against 'R' in the Annexure-II, the batch or lot shall be declared as not of standard quality.

B. Dimensions.—At least 2 samples drawn from the lot or batch shall satisfy the requirements regarding Dimensions as under paragraph 9.

C. Tensile properties.—At least 15 samples drawn from the lot or batch shall satisfy the requirements of Tensile properties as under paragraph 12.

7. Sampling plan for a Drugs Inspector.—(1) Where an Inspector under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, desires to take for test samples from the premises of a manufacturer or a distribution depot, 20 containers from each batch of

production may be selected by him on a random basis and from each of these containers, five samples shall be taken. The 100 samples so selected shall be distributed for various tests as specified in paragraph 8. In case, the number of containers is less than 20, the number of samples to be taken from each containers shall be proportionately increased.

(2) Where an Inspector under the Drugs and Cosmetics Act, 1940 desires to take samples from a sales premises, he shall take 100 samples from each batch of production in accordance with the procedure specified in sub-paragraph (1).

8. Sampled condoms drawn under paragraph 7 shall be distributed for the various tests as follows :—

2 samples for thickness, length, width and weight;

40 samples for air inflation test;

40 samples for water leakage test; and

18 samples for tensile strength, elongation at break and tension set (3 of which may be kept in reserve). \*

The sample shall be declared as not of standard quality if—(i) the number of condoms found defective in the air inflation test and water leakage test exceeds 3; or (ii) the sample fails to conform to the requirements of Dimensions as under paragraph 9 or tensile properties as under paragraph 12.

9. Dimensions.—(1) The length when unrolled (excluding teat) shall be not less than 160 mm.

(2) The width of a condom, when laid flat and measured at any point between 70 mm. and 90 mm. from the open end shall be 50 mm  $\pm$  5 mm.

(3) The double-wall thickness of a condom, when measured at any point between 70 mm and 90 mm. from the open end shall be not more than 0.14 mm.

NOTE—1. The double-wall thickness shall be determined with a suitable micrometer dial gauge graduated in intervals of 0.01 mm.

NOTE.—2.—Condoms shall, prior to the measurement of thickness, have the dusting powder or the lubricant or both removed by means of water or propan-2-ol

(4) The weight of a condom shall not exceed 1.6 gm.

10. Air Inflation Test.—(1) Condoms which are subjected to air inflation test shall be capable of being unrolled easily when such unrolling is done on a mandrel of 35 mm. diameter. Condoms not capable of being unrolled because of thickness shall be rejected and shall be counted towards cumulative total of rejects.

(2) Inflate the condom with air to a diameter of 150 mm. The inflated sample shall be examined for the presence of pin holes or foreign matter. No such defect shall be discernible. The examination of the inflated condom shall be completed within a minute. In case any foreign matter or any visual defect is observed in a condom during the air-inflation test, the condom shall be subjected to the Water Leakage Test also and if it fails in the latter test, it shall be included in the cumulative total of rejects.

NOTE.—Pin holes within 50 mm from the open end can be ignored.

(3) Samples subjected to air inflation test shall not be used for any other tests described in this Schedule.

11. Water Leakage Test.—(1) Fit the specimen on to the end of a suitable mount of about 45 mm. diameter. Ensure that the outer surface of the specimen is in a dry state. Pour into the condom 50 ml. of water, gently squeeze and examine the test area for visual evidence of leakage. In case there is no leakage, pour additional 250 ml. of water making sure that outer surface is free from water. If necessary, outer surface can be gently wiped with cloth pad or blotting paper to remove accidentally spilt water. Suspend the filled condom with its open end upward for not less than 3 minutes. No water droplets are observed.

NOTE.—Pin-holes within 50 mm. from the open end can be ignored.

12. Tensile Strength, Elongation at Break and Tension Set.—(1) The average tensile strength, elongation at break and tension set of rubber, taken from the samples of condoms each calculated after excluding the lowest and highest of at least five test results shall conform to the following requirements, namely :—

Original

Maximum permissible variation

from the original after

accelerated ageing at 70  $\pm$  1°C for 96 hours in an air oven.

(i) Tensile Strength +10 per cent  
170 Kgs./Sq. cm, minimum —30 per cent

(ii) Elongation at break +10 per cent  
650 per cent minimum —15 per cent

(iii) Tension Set

When rubber is stretched to 70 per cent of elongation at break, kept in this stretched condition for 10 minutes and allowed to recover for 10 minutes, 10 per cent is the maximum permissible variation.

(2) Tests to determine compliance of the material with the requirements of tensile strength and elongation at break shall be carried out in accordance with the appropriate methods described in Annexure-III and IV.

13. Colour Fastness.—Not less than 10 samples taken at random from each batch of coloured condoms shall pass the following test for colour fastness namely :—

Thoroughly wet inside and outside of the condoms with distilled water. Make no attempt to remove any dusting material or lubricant. Wrap the wet condom in white absorbent paper so that the largest possible surface area of the condom is in contact with the paper and seal the whole in a suitable container to prevent loss of moisture. Allow the container and its contents to stand for 16 hours to 24 hours at room temperature. After removing the absorbent paper from the container, examine it visually in natural day-light for any indication of staining. No part of the absorbent paper shall be stained. If there is any indication of staining of the absorbent paper by any colouring agent present in any of the condoms or any dusting material or lubricant, the entire batch shall be declared to be not of standard quality.

14. Labelling, Packing and Storage.—(1) The packing shall protect the condoms from contamination and mechanical damage. The smallest packing offered to the consumer shall bear a clear permanent marking with the following particulars :—

(i) Manufacturer's name and address, and the trade name of the condoms, if any.

(ii) Batch number

(iii) Date of manufacture (Month and year only)

(iv) Date of expiry (Month and Year only) which shall not be more than 36 months from the date of manufacture.

(v) the words "For single use only".

(2) The condoms shall be stored in a cool dry place away from heat and direct sunlight.

#### ANNEXURE I

(See paragraphs 4 and 5)

Sampling Plan for quality control of condoms at  
Manufacturer's Level

BATCH SIZE 35001 to 1.5 LAKHS

Single Sampling Plan

Sample Size 500 :

AQL—1.0

AC—10

R—11

## BATCH SIZE 1.5 LAKHS TO 5 LAKHS

## Single Sampling Plan

Sample Size 800 :	AQL—1.0 AC—14 R—15
-------------------	--------------------------

## BATCH SIZE OVER 5 LAKHS

## Single Sampling Plan

Sample Size 1250 :	AQL—1.0 AC—21 R—22
--------------------	--------------------------

NOTE :—AQL means Acceptance Quality Level.

AC means Acceptance Number i.e. the maximum allowable number of defectives for acceptance of the Batch.

R means Rejection Number i.e. the minimum number of defectives for rejection of the Batch.

## ANNEXURE II

(See paragraphs 6)

Sampling Plan for Quality Control of Condoms at Purchaser's Level

## BATCH SIZE 35001 to 1.5 LAKHS

## Single Sampling Plan

Sample Size 500 :	AQL—1.5 AC—14 R—15
-------------------	--------------------------

## BATCH SIZE 1.5 LAKH TO 5 LAKHS

## Single Sampling Plan

Sample Size 800 :	AQL—1.5 AC—21 R—22
-------------------	--------------------------

## BATCH SIZE OVER 5 LAKHS

## Single Sampling Plan

Sample Size 1250 :	AQL—1.5 AC—21 R—22
--------------------	--------------------------

NOTE :—AQL means Acceptance Quality Level

AC means Acceptance Number i.e. the maximum allowable number of defectives for acceptance of the Batch.

R means Rejection Number i.e. the minimum number of defectives for rejection of the Batch.

## ANNEXURE III

(See paragraph 12)

Methods of Test for Determining Tensile Strength, Elongation at Break

1. Principle of the Method.—In the test, dumb-bell shaped test pieces are stretched in a tensile testing machine at a constant rate of traverse of the driven grip of pulley. Readings of load and elongation are taken as required during the uninterrupted stretching of the test piece and when it breaks.

2. Apparatus.—Marker—The marker for marking the reference lines on dumb-bell test pieces shall have two parallel knife edges. They shall be ground smooth and true. The distance between the centres of knife edges shall be  $25.0 \pm 0.1$  mm. The thickness of the lines shall be 0.05 to 0.08 mm.

Tensile Test Machine.—The machine shall be of such capacity that the maximum load required to break the test specimen shall be not more than 85 per cent and not less than 15 per cent of the rate capacity. The rate of traverse of the power actuated grip shall be 50.2 cm. and shall be

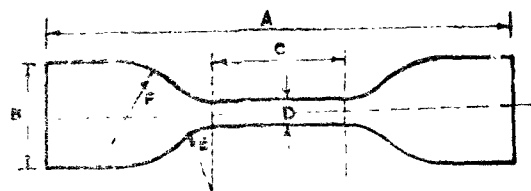
uniform at all times. Possible separation of the grip of at least 75 cm. shall be provided. The machine shall be equipped with a scale or other device graduated to 1 mm for measuring the elongation, as shown by the distance between the gauge marks on the dumb-bell.

The machine shall be equipped with a type of grip which tightens automatically and exerts a uniform pressure across the gripping surfaces increasing as the tension increases, so as to prevent uneven slipping and to favour failure of the specimen in its constricted section. It is advisable to have at the end of each grip a positioning device so that all specimens are inserted to the same depth in the jaws and are perpendicular to the direction of pull.

NOTE :—The machine shall be power-driven.

3. Calibration of Tensile Test Machine.—The load scale and the recording mechanism shall be calibrated at least once in three months to ensure that the load scale error does not exceed two per cent of the applied load.

4. Preparation of Test piece.—The test piece is dumb-bell shaped, which when punched with dies shall have the outline shown in figure below and shall conform to the dimensions given in the following Table when read with the figure.



DUMB-BELL TEST PIECES

5. Dimensions of Dumb-Bell Test Piece in mm.

A :	Overall length, minimum	115
B :	Width of ends	$25 \pm 1$
C :	Length of narrow parallel portion	$33 \pm 2$
D :	Width of narrow parallel portion*	6.0 to 6.4
E :	Small radius	$14 \pm 1$
F :	Large radius	$25 \pm 2$

\*The variation within any one die should not exceed 0.05 mm.

6. Measurement of Dumb-bell Test Pieces.—Measure the thickness by a Micrometer, the foot of which exerts a pressure of  $200 \text{ g/cm}^2$  on the rubber. The width of the test portion is assumed to be equal to the width between the cutting edge of the narrow central part of the die; for the purpose, the width of this part of the die is measured to the nearest 0.05 mm. Take the average of three measurements, one in the centre and two on each side.

7. Conditioning of Test Pieces.—The properties of vulcanized rubber change continuously with time, these changes being particularly rapid during the first twenty-four hours after vulcanization. Do not carry out any test within this period; for accurate comparisons between different rubbers it may be necessary to ensure that these are tested at substantially the same interval after vulcanization. Protest samples and test pieces as far as possible from light. Condition samples after any necessary preparation at the test temperature for not less than 12 hours immediately before testing.

8. Temperature of test.—Carry out the test at  $27 \pm 2^\circ\text{C}$ , unless otherwise specified.

9. Determination of Tensile Strength and Elongation at break.—Insert a dumb-bell test piece into the grips of the tensile testing machine taking care to adjust it symmetrically so that the tension is greater on one side of the test piece than on the other, the reference lines will not remain parallel and the maximum strength of the rubber will not be developed. Then start the machine and measure the distance between the centres of the reference lines as required to the nearest 1 mm, taking care to avoid parallax, until the test piece breaks. Note the load on the test piece as required.



**Calculation of Results:—**

10. Tensile Strength.—Calculate tensile strength by dividing the load at break by the initial area of cross-section of the test piece. Report the average tensile strength after excluding the lowest and highest of five test results. Note that the result of any dumb-bell test piece which breaks outside the narrow part (reference lines) should be excluded.

11. Elongation at Break.—Calculate elongation at break by subtracting the initial distance between the reference lines on the dumb-bell test piece from the distance between the lines at breaking point and expressing the results as a percentage of the initial distance. Report the average elongation at break after excluding the lowest and highest of five test results. Note that the result of any dumb-bell test piece which breaks outside the narrow part should be excluded.

**ANNEXURE IV**

(See paragraph 12)

**METHOD OF TEST FOR ACCELERATED AGEING**

Principle of the Method.—The test consists in subjecting test pieces to controlled deterioration by air at an elevated temperature and at atmospheric pressure after which tensile strength and elongation at break are measured.

2. Apparatus.—The air oven shall be of such a size that the total volume of the test pieces does not exceed 10 per cent of the free air space of the oven. Provision shall be made for suspending test pieces so that they are not within 10 mm of each other or the sides of the oven. Provision shall be made for slow circulation of air in the oven of not less than three changes and not more than ten changes per hour. Care shall also be taken that the incoming air is heated to the temperature of the oven before coming into contact with the test pieces. The temperature of the oven shall be thermostatically controlled so that the test pieces are kept within  $\pm 1^\circ\text{C}$  of the specified ageing temperature. A thermometer shall be placed near the centre of the ageing test pieces to record the actual ageing temperature.

NOTE:—Copper or copper alloys shall not be used for the material of construction of the oven prescribed.

3. Test piece.—The form of the prepared test piece shall be such that no mechanical, chemical or heat treatment is required after ageing. Compare only test pieces of similar dimensions and having approximately the same exposed areas. Measure them before testing and mark them after the period of ageing is complete.

4. Temperature of the oven.—Maintain the oven at  $70^\circ \pm 1^\circ\text{C}$ .

5. Duration of test.—96 hours.

6. Procedure.—Store all test pieces in the dark for a minimum period of 24 hours and a maximum period of 14 days prior to the commencement of the ageing period. See that the maximum temperature of storage before subjecting to an accelerated ageing test does not exceed  $30^\circ\text{C}$ . Carry out the testing of unaged test pieces within 14 days from the commencement of the ageing period. Place the test pieces in the oven after they have been preheated to the operating temperature. The test pieces are to be stationary, free from strain, freely exposed to air on all sides and not exposed to light. When the ageing period is complete, remove the test pieces from the oven and store and condition for not less than 16 hours and not more than 96 hours in a strain-free condition and then condition in accordance with the details given in the appropriate test methods, for the particular physical property being studied."

[No. X-11013/5/77-D&amp;MS]

New Delhi, the 5th April, 1980

**CORRIGENDUM**

**G.S.R. 431.**—In the Notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Welfare (Department of Health) No. G.S.R. 385(E) published in the Gazette of India Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) dated 20th June, 1979, at page 843.—

19 GI/80—3

(i) after the heading "NOTIFICATION", for the words and figures, "New Delhi, the 28th June, 1979" read "New Delhi, the 20th June, 1979";

(ii) in clause (ii) of sub-rule (B) of rule 2, for the words "rupees at the rate of rupees eight per month or part thereof;" read "rupees ten plus an additional fee at the rate of rupees eight per month or part thereof";

[No. X. 11013/8/78-DMS&PFA]  
G. PANCHAPAKESAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1980

सां. कां. निं. 432.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये राष्ट्रपति एतद्वारा राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान बंगलूर के (समूह 'क' पदों के) भर्ती नियम, 1978 में फिर से संशोधन करके निम्नलिखित नियम बनाने हैं:—

1. (1) इन नियमों का नाम राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलूर (समूह 'क' पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1980 है।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलूर (समूह 'क' पद) भर्ती नियम, 1978 के नियम 6 में आने वाले शब्द "या पद" हटा दिये गये हैं।

[सं. एं. 12018/6/76-पी.एच.]

प्रेम नाथ साधु, प्रवर सचिव

New Delhi, the 2nd April, 1980

**G.S.R. 432.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the National Tuberculosis Institute, Bangalore (Group A post) Recruitment Rules, 1978, namely:—

1. (1) These rules may be called the National Tuberculosis Institute, Bangalore (Group A post) Recruitment (Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the National Tuberculosis Institute, Bangalore (Group 'A' post) Recruitment Rules, 1978, in rule 6, the words "or posts" shall be omitted.

[No. A. 12018/6/76-PH]

P. N. SADHOO, Under Secy.

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 1980

सां. कां. निं. 433.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा सफदरजंग अस्पताल (समूह "ग" पद) भर्ती नियम, 1976 (इनके बाद जिन्हें उक्त नियम कहा गया है), को संशोधित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम सफदरजंग अस्पताल (समूह "ग" पद, डॉक्टर्स रुम सहायक) भर्ती (संशोधन) नियम, 1980 है।

2. ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

(2) उक्त नियमों की अनुवृत्ति में डॉक्टर्स रुम सहायक के पद से संबंधित क्रम संख्या 3 के—

(1) कलम 6 में वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर "अवयव" प्रविष्टि रखी जाएगी;

- (2) कावम 7 में वर्तमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“18 वर्ष से 25 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के लिए 35 वर्ष तक शिथिलनीय)।

नोट :—आयु-सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे मिला जो अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी।

रोजगार कार्यालयों के माध्यम से भरे जाने वाले पदों के बारे में आयु-सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में वह अंतिम तारीख होगी जिस तारीख तक रोजगार कार्यालयों को अभ्यर्थियों के नाम भेजने के लिए कहा गया हो।

- (3) कावम 11 में वर्तमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“80 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।

20 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा, जिसके न हो सकने पर प्रोन्नति द्वारा।”;

- (4) कावम 12 में वर्तमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां रखी जाएंगी, अर्थात् :—

“समूह ‘ब’ के उन कर्मचारियों में से प्रोन्नति करके जो कम से कम माध्यमिक स्कूल की न्यूनतम शैक्षिक अर्हता रखते हों और समूह ‘ब’ में कम से कम 5 वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो और जिन्हें अस्पताल के एक्स-रे विभाग में काम करने का पर्याप्त अनुभव हो।”

[सं. ए०-12018/8/75-अस्पताल]

सत्यपाल गोस्वामी, अवर सचिव।

New Delhi, the 8th April, 1980

**G.S.R. 433.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to the article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Safdarjang Hospital (Group ‘C’ posts) Recruitment Rules, 1976 (hereinafter referred to as the said rules), namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Safdarjang Hospital (Group ‘C’ posts, Dark Room Assistants) Recruitment (Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the said rules, in serial number 3, relating to the post of Dark Room Assistant—

(i) in column 6, for the existing entry, the entry “Non-Selection” shall be substituted;

(ii) in column 7, for the existing entries, the following shall be substituted, namely :—

“18 to 25 years (Relaxable upto 35 years in the case of Government servants).

Note.—The crucial date for determining the age limit shall in each case be the closing date for receipt of application from candidates in India (other than those in Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep).

In respect of posts, the appointments to which are made through the Employment Exchanges, the crucial date for determining the age limit shall in

each case be the last date upto which the Employment Exchanges are asked to submit names.

(iii) In column 11, for the existing entries, the following entries shall be substituted, namely :—

“80% by promotion failing which by direct recruitment,

20% by direct recruitment failing which by promotion.”;

(iv) in column 12, for the existing entries, the following entries shall be substituted, namely :—

“Promotion from amongst Group ‘D’ staff who possess minimum educational qualification of middle school with at least five years’ service in the group having adequate experience in the X-ray Department of a hospital.”

[No. A-12018/8/75-H]

S. P. GOSWAMI, Under Secy.

### कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1980

सां. कां. सिं. 434.—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अखिल भारतीय मृदा एवं भूमि उपयोग सर्वेक्षण संगठन (ज्येष्ठ मृदा सर्वेक्षक और ज्येष्ठ तकनीकी सहायक) भर्ती नियम, 1977 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. इन नियमों का नाम अखिल भारतीय मृदा एवं भूमि उपयोग सर्वेक्षण संगठन (ज्येष्ठ मृदा सर्वेक्षक और ज्येष्ठ तकनीकी सहायक) भर्ती (संशोधन) नियम, 1980 है।

2. ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

3. अखिल भारतीय मृदा एवं भूमि उपयोग सर्वेक्षण संगठन (ज्येष्ठ मृदा सर्वेक्षक और ज्येष्ठ तकनीकी सहायक) भर्ती नियम, 1977 की अनुसूची में, स्तंभ 12 में प्रत्येक प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएगी, अर्थात् :—

“समूह ‘ब’ विभागीय प्रोन्नति समिति जिसमें निम्नलिखित होंगे :—

1. कृषि आयुक्त—अध्यक्ष

2. संयुक्त आयुक्त (एस०वी०एफ०) —सदस्य

3. परियोजना अधिकारी, ए० आई० एस० तथा एल० यू० एस० —सदस्य

4. अनुसूचित जातियों/अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाला उपयुक्त प्रास्थिति का एक अधिकारी—सदस्य

5. अवर सचिव (एल० तथा ए० सी०) —सदस्य

[सं. 1-72/71-भमि]

डी०डी० चौकला, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE  
(Department of Agriculture & Coop.)

New Delhi, the 21st March, 1980

**G.S.R. 434.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the All India Soil and Land Use Survey Organisation (Senior Soil Surveyor and Senior Technical Assistant) Recruitment Rules, 1977, namely :—

1. These rules may be called the All India Soil and Land Use Survey Organisation (Senior Soil Surveyor and Senior Technical Assistant) Recruitment (Amendment) Rules, 1980.

2. They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
3. In the All India Soil and Land Use Survey Organisation (Senior Soil Surveyor and Senior Technical Assistant) Recruitment Rules, 1977, in the Schedule, for each of the entries in Column 12, the following entry shall be substituted, namely :—

1. Agriculture Commissioner — Chairman
2. Joint Commissioner (SCF) — Member
3. Project Officer, AIS & LUS — Member
4. An Officer of appropriate status representing Sch. Caste/Sch. Tribe — Member
5. Under Secretary (L & AC) — Member

"Group 'B' Departmental Promotion Committee consisting of :—

[No. 1-72/71-Lands]  
D. D. CHAUFLA, Under Secy.

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1980 ]

सा० का० नि० 435.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कृषि मंत्रालय (कृषि और सह-कारिता विभाग) में मत्स्य उद्योग विकास आयुक्त के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ :—(1) इन नियमों का नाम संक्षिप्त नाम कृषि और सहकारिता विभाग (मत्स्य उद्योग विकास आयुक्त) भर्ती नियम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद-संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उक्त वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे जो इन नियमों में उपाखण्ड अनुसूची के स्तंभ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उसके संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तंभ 5 से 14 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह पति या जिसकी पत्नी जोड़विन है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जोड़विन होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अर्धान अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. नियम सिद्धि करने की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार को राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां, वह उसके लिए कारण है उन्हें लेखबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके इन नियमों के किसी-उदाहरण को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की वाचन, आदेश द्वारा, सिद्धि कर सकेगी।

6. अभावृत्ति :—इन नियमों का कोई भी बात, ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	यदि पद अथवा अन्वयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा
1	2	3	4	5	6	7
मत्स्य उद्योग विकास आयुक्त	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "क"	2250-125/2-2500 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के अग्रवि यदि निम्नलिखित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती किए जाने वाली शक्तियों की प्रतिपादता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा भी है)।	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा से वे श्रेणियां जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
8	9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण द्वारा (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा भी है)।	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण (जिसके अन्तर्गत अल्पकालिक संविदा भी है) : केन्द्रीय सरकार/राज्य सरकारों/	लागू नहीं होता	अथवा और इन नियमों के किसी उपबंध को संशोधित/सिद्धि करते समय आयोग

8	9	10	11	12	13	14
				संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन/ भारतीय कृषि अनुसंधान परि- षद्/कृषि विश्वविद्यालयों और स्वायत्त निकायों और निगमों के सदृश पद धारण करने वाले अधिकारी या ऐसे अधिकारी, जिन्होंने 1800-2000 रु० या सम- तुल्य वेतनमान वाले पदों पर कम से कम 3 वर्ष सेवा कर ली है, जिसके न हो सकने पर 1500-1800 रु० या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 7 वर्ष सेवा कर ली है और जिनके पास निम्नलिखित अर्हता और अनु- भव हैं:—		से परामर्श किया जाएगा।
				(i) किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विद्यालय में प्राणिविज्ञान में मास्टर की उपाधि या समतुल्य केन्द्रीय मत्स्य की शिक्षा संस्थान से डिप्लोमा, और		
				(ii) मत्स्य उद्योग विकास, समुद्री और अन्तर्देशीय, दोनों के क्षेत्र में 15 वर्ष का अनुभव। यदि कृषि और सहकारिता विभाग या इसके अधीनस्थ कार्या- लयों के किसी अधिकारी का चयन किया जाता है तो यह समझा जाएगा कि उसे प्रोन्नति द्वारा नियुक्त किया गया है। (प्रतिनियुक्ति की अवधि 5 वर्ष से अधिक नहीं होगी।)		

[सं० 12018/7/78-स्था० 5]

आसा राम जैन, अवर सचिव

New Delhi, 25th March, 1980

**G.S.R. 435.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of FISHERIES DEVELOPMENT COMMISSIONER in the Ministry of Agriculture (Department of Agriculture & Cooperation), namely:—

1. Short title and commencement:—(1) These rules may be called the Department of Agriculture & Cooperation (Fisheries Development Commissioner) Recruitment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay:—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.:—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post, shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule aforesaid.

4. Disqualification.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving:—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

#### SCHEDULE

Name of post	Number posts	Classifications	Scale of pay	Whether selection or Non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the C.S.C. (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
Fisheries Development Commissioner	1	General Central Service, Group 'A'	Rs. 2250-125/2-2500.	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for the direct recruits will apply in case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made		If a Departmental Promotion Committee exists, what is its composition		Circumstances in which Union Public Service Commission to be consulted in making recruitment
9	10	11	12		13		14
Not applicable	2 years	By promotion/transfer on deputation (including short-term contract).	Promotion/Transfer on deputation (including short-term contract): Officers of the Central/State Governments/Union Territories Administration/Indian Council of Agricultural Research/Agricultural Universities and autonomous bodies and corporation holding analogous posts or with at least 3 years' service in posts in the scale of Rs. 1800-2000 or equivalent, failing which with 7 years' service in post in the scale of Rs. 1500-1800 or equivalent and possessing:— (i) A Master's degree in Zoology from a recognised University or equivalent or the Central Institute of Fisheries Education diploma; and		Not applicable		The Commission shall be consulted while making selection and amending/relaxing any provisions of these rules.

(ii) 15 years' experience in the field of Fishery Development both marine and inland. If an officer of the Department of Agriculture & Cooperation or its subordinate offices is selected, he will be treated as having been appointed by promotion. (Period of deputation shall not exceed 5 years).

[No. 12018/7/78-L.V]  
A.R. JAIN, Under Secy.

### शिक्षा तथा संस्कृति मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1980

स।० का० नि० 436.—संविधान के अनुच्छेद 309 के उपबन्धों द्वारा प्रवृत्त गणितियों का प्रयोग करने हुए, राष्ट्रपति एवं द्वारा प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय में लेखाधिकारी के पद पर भर्ती की प्रणाली का नियमन करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् :—

1. लघु शीर्षक और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों को प्रौढ़ शिक्षा निदेशालय (लेखाधिकारी) भर्ती, नियमावली, 1980 कहा जाएगा।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से लागू होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान :—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण तथा वेतनमान वही होगा जैसा कि इन नियमों से सम्बद्ध अनुसूची के कालम 2 से 4 में दर्शाया गया है।

3. भर्ती की प्रणाली, आयु-सीमा, योग्यताएं आदि :—उक्त पद की भर्ती प्रणाली, आयु-सीमा, योग्यताएं तथा अन्य संबंधित मामले उसी प्रकार से होंगे जैसा कि उक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में दर्शाया गया है।

4. अयोग्यता :—कोई भी व्यक्ति—

(क) जो ऐसे व्यक्ति से जिसका पति/पत्नी जीवित है विवाह अथवा विवाह का अनुबंध करता है, अथवा

(ख) जो पति/पत्नी के जीवित रहते हुए किसी दूसरे व्यक्ति से विवाह अथवा विवाह का अनुबंध करता है।

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

अर्थात् कि यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू व्यक्तिगत कानून के अन्तर्गत ऐसा विवाह अनुमत्य है और ऐसा करने के अन्य आधार भी हैं तो किसी भी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

5. डील देने का अधिकार :—जहां केन्द्रीय सरकार का यह विचार हो कि ऐसा करना अनिवार्य अथवा उचित है तो वह आदेश द्वारा कार्यों को निमित्त रूप में चलाकर हुए संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किसी भी वर्ग अथवा श्रेणी के व्यक्तियों के लिए इन नियमों के किसी भी उपबन्ध में डील दे सकती है।

6. प्रतिबंध :—समय-समय पर केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजातियों तथा विशेष वर्गों के व्यक्तियों के लिए किए जाने वाले आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट तथा अन्य रियायतों पर इन नियमों से कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	क्या प्रवरण पद है अथवा अप्रवरण	सीधी भर्ती के लिए आयु-सीमा	क्या सी०सी०एस० (पेंशन) नियम-वर्षा, 1977 के नियम 30 के अंतर्गत बढ़ाए गए सेवा वर्षों का लाभ अनुमत्य है	सीधी भर्ती वालों के लिए अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	6क	7
लेखा अधिकारी	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा ग्रुप (ख) राजपत्रित गैर-निपिकीय।	840-40-1000-30 रो०-40-1200	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

क्या सीधी भर्ती के लिए परीक्षा की अवधि भर्ती की प्रणाली क्या सीधी भर्ती निर्धारित आयु तथा यदि कोई हो द्वारा अथवा विभागीय पदोन्नति शैक्षिक अर्हताएं पदोन्नति के मामले में लागू होंगी	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/तबादले द्वारा भर्ती के मामले में ग्रेड जिनमें पदोन्नति/तबादले/प्रतिनियुक्ति की जाएगी	यदि विभागीय पदोन्नति ममिति है तो उसकी संरचना क्या है	परिस्थितियाँ जिनमें भर्ती करने समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
---	---	--	--

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर तबादले द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर तबादला : किसी भी संघठित लेखा विभाग अर्थात् भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग, भारतीय रक्षा लेखा विभाग, भारतीय रेलवे लेखा विभाग तथा भारतीय डाक तथा तार लेखा विभाग और भारतीय सिविल लेखा विभाग में ग्रेड में 5 वर्षों की सेवा वाले लेखा/लेखा परीक्षा अधिकारी अथवा एस० ए० एस० लेखाकार (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्षों से अधिक नहीं होगी)।	लागू नहीं होता	इन नियमों के प्रावधानों में संशोधन/हीन वेते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक होगा।

[सं० एक 8-24/79-प्रो० शि-1]

पी० एस० बेदी, अवर सचिव।

**MINISTRY OF EDUCATION AND CULTURE****(Department of Education)**

New Delhi, the 31st March, 1980

**G.S.R. 436.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Accounts Officer in the Directorate of Adult Education, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Directorate of Adult Education (Accounts Officer) Recruitment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of post, classification and scale of pay.—The number of said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age-limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age-limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

**4. Disqualification.**—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Powers to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations relaxation of age-limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

**SCHEDULE**

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-Selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules 1955	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	6a	7
Accounts Officer	1	General Central Service Group 'B' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 840-40-1000-EB-40-1200	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruits or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/ deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which U.P.S.C. is consulted in making rectt.
8	9	10	11	12	13
Not applicable	Not applicable	By Transfer on deputation	Transfer on deputation: Accounts/Audit officers of SAS Accountants with 5 years' service in the grade from any of the organised Accounts Departments, viz. Indian Audit and Accounts Department, Indian Defence Accounts Department Indian Railway Accounts Department and Indian Posts and Telegraphs Accounts Finance Department and Indian Civil Accounts Department. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Not applicable	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while amending/relaxing any of the provisions of these rules.

[No. F-8-24/79-AE-I]

P. S. BEDI, Under Secy.

## MINISTRY OF SOCIAL WELFARE

## CORRIGENDUM

New Delhi, the 26th March, 1980

**G.S.R. 437.**—In G.S.R. 248 relating to recruitment rules for the post of Senior Research Investigator in the Ministry of Social Welfare, in column 10 of 'The Schedule', for the existing entry, the following may be substituted :—

"33-1/3 per cent by promotion failing which by transfer on deputation.

33-1/3 per cent by transfer on deputation/transfer, failing which by direct recruitment; and

33-1/3 per cent by direct recruitment."

[No. A. 12019/5/78-Estt.]

G. R. MAGOO, Under Secy.

## MINISTRY OF SHIPPING &amp; TRANSPORT

## (Ports Wing)

New Delhi, the 31st March, 1980

**G.S.R. 438.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124, read with sub-section (1) of section 132, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approve of the regulations entitled "The Mormugao Port Employees' (Grant of Advance for Building of Houses) (Second Amendment) Regulations, 1979" made by the Board of Trustees of the Port of Mormugao in exercise of the powers conferred by section 28 read with sub-section (2) of section 124 of the said Act and published in the Goa, Daman and Diu Government Gazette dated the 16th August, 1979 and the 23rd August, 1979.

[No. PW/PEG/-45/79]

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1980

## नौवहन और परिवहन मंत्रालय

## (परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1980

**सांकांनि 438.**—महापत्तन न्याम अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 124 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मार्मुगाव पत्तन के न्यासी मण्डल द्वारा निर्मित और गोवा, दमन और दीव सरकार के तारीख 16 अगस्त, 1979 और 23 अगस्त, 1979 के राजपत्र में प्रकाशित मार्मुगाव पत्तन कर्मचारी (मकान बनाने के लिए अग्रिम देना) (द्वितीय संशोधन) विनियम 1979 का अनुमोदन करती है।

[सं० पी० डब्ल्यू०/पी०ई०जी०-45/79]

**सांकांनि 439.**—महापत्तन न्याम अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा, प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 124 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मार्मुगाव पत्तन के न्यासी मण्डल द्वारा निर्मित और गोवा, दमन दीव सरकार के तारीख 17 जनवरी, 1980 और 24 जनवरी, 1980 के राजपत्र में प्रकाशित मार्मुगाव पत्तन कर्मचारी (आचरण) (प्रथम संशोधन) विनियम, 1979 का अनुमोदन करती है।

[सं० पी०ई०जी०-7/80]

New Delhi, the 1st April, 1980

**G.S.R. 439.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124, read with sub-section (1) of section 132, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves of the regulations entitled "The Mormugao Port Employees' (Conduct) (First



Amendment) Regulations, 1979" made by the Board of Trustees of the Port of Mormugao in exercise of the powers conferred by section 28 read with sub-section (2) of section 124 of the said Act and published in the Goa, Daman and Diu Government Gazette dated the 17th January, 1980 and the 24th January, 1980.

[No. PEG-7/80]

सा०का०नि० 440.—महापत्तन न्याम अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ पठित धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा उक्त अधिनियम की धारा 124 की उपधारा (2) के साथ पठित धारा 28 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए कोचीन पत्तन के न्यासी मण्डल द्वारा निमित्त और केरल सरकार के तारीख 21 अगस्त, 1979 और 28 अगस्त, 1979 के राजपत्र में प्रकाशित कोचीन पत्तन

कर्मचारी (कल्याण कार्य निधि) प्रथम संशोधन विनियम, 1979 का अनुमोदन करती है।

[सं० पी० डब्ल्यू पी०ई०एक्स 22/79]

राज मिलक पाण्डेय, अवर सचिव

**G.S.R. 440.**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 124, read with sub-section (1) of section 132, of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves of the regulations entitled "the Cochin Port Employees (Welfare Fund) First Amendment Regulations, 1979" made by the Board of Trustees of the Port of Cochin in exercise of the powers conferred by section 28, read with sub-section (2) of section 124, of the said Act, and published in the Kerala Government Gazette dated the 21st August 1979 and the 28th August, 1979.

[No. PW-PEX. 22/79]

R. T. Pandey, Under Secy.

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1980

सा०का०नि० 441.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, लघु पत्तन सर्वेक्षण संगठन, नीवहन और परिवहन मंत्रालय में हिन्दी भूवाक के पद पर भर्ती को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—(1) इन नियमों का नाम लघु पत्तन सर्वेक्षण संगठन (हिन्दी अनुवादक) भर्ती नियम, 1980 है।  
(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।
- पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसके वेतनमान वे होंगे जो इसमें उल्लेख अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अर्हताएं आदि:—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उसमें संबंधित अन्य शर्तें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।
- निरर्हताएं:—वह व्यक्ति—  
(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या  
(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होने हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के प्रश्न अनुमेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वह, उसके लिए जो कारण हैं, उन्हें लेखबद्ध करके, इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति:—इन नियमों को कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची

पद का नाम	पद की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	न्यूनतम अवधि या अनुभव पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7
हिन्दी अनुवादक	एक	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' (भराज-पत्रित निधिकवर्गीय)	550-20-650-25-800 रु०	लागू नहीं होता	35 वर्ष	आवश्यक: डिप्री स्तर पर अंग्रेजी विषय के साथ हिन्दी में मास्टर की उपाधि या डिप्री स्तर पर हिन्दी विषय के साथ अंग्रेजी में मास्टर की उपाधि या डिप्री स्तर पर अंग्रेजी विषय के साथ हिन्दी माध्यम से किसी भी विषय में मास्टर की उपाधि या डिप्री स्तर पर हिन्दी और अंग्रेजी विषयों के साथ किसी विषय में मास्टर की उपाधि।

1	2	3	4	5	6	7
						वांछनीय :
						1. ज़िरी या समतुल्य स्तर पर विषयों में से एक विषय संस्कृत रहा हो ।
						2. हिन्दी से भिन्न किसी प्राधुनिक भारतीय भाषा का ज्ञान ।
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु धोर कोई हो शैक्षिक प्रवर्तार्थ प्रोन्नति की दशा में लागू होंगी या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता ।	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा ।	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संचालक सेवा प्रायोग से परामर्श किया जाएगा	
8	9	10	11	12	13	
लागू नहीं होगा	2 वर्ष	सीधे भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में जिसमें निम्नलिखित होंगे :—	लागू नहीं होता	
				1. मुख्यालय कार्यालय में उपलब्ध उच्चतम उप समुद्री सर्वेक्षक—प्रध्यक्ष ।		
				2. नौवहन महानिदेशालय, मुम्बई से कोई अनुसूचित जाति अधिकारी—सदस्य ।		
				3. सहस्र प्रधिकारी, प्रचलमान लब्धोप बंदरगाह संकर्म—सदस्य ।		

[सं० ए एच एच डब्ल्यू/एम एम एस/1(3)/77]

जी०एम० रायसया, मुख्य इंजीनियर एवं प्रशासक

**(Transport Wing)**

New Delhi, the 5th April, 1980

**G.S.R. 441.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Hindi Translator in the Minor Ports Survey Organisation, Ministry of Shipping and Transport, Namely :

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Minor Ports Survey Organisation (Hindi Translator) Recruitment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, Classification and Scale of Pay :—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc. :—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the Schedule aforesaid.

**4. Disqualifications,--No person,--**

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible in appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax :—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, and for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of Post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational Qualification required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Hindi Translator	One	General Central Service, Group 'C' (Non-Gazetted) Ministerial)	Rs. 550-20-650-25-800	Not Applicable	35 years	Essential: Master's degree in Hindi with English as a subject at degree level or in English with Hindi as a subject at degree level Or Master's degree in any subject with Hindi medium and English as a subject at degree level Or Master's degree in any subject with Hindi and English as elective subjects at degree level. Desirable: 1. Sanskrit as one of the subjects at degree level or equivalent examination. 2. Knowledge of any modern Indian Languages other than Hindi.

Whether age and educational qualifications prescribed for the direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by deputation/transfer or by promotion and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation transfer, grades from which promotion deputation/transfer to be made	If a Departmental promotion Committee exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	Two years	Direct recruitment	Not applicable	Group 'C' Departmental Promotion Committee consisting of:— (1) Senior Most Deputy Marine Surveyor available at Head-quarters Office at Bombay— Chairman. (2) A Scheduled Caste Officer from the Directorate General of Shipping Bombay— Member (3) Attached Officer, Andaman Lakshadweep Harbour Works.— Member	Not Applicable

[No. ALHW/SMS/1(3)/77]

G.S. RAMAIAH, Chief Engineer and Administrator (ALHW)

## सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 25 मार्च, 1980

सांकांति० 442.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रबन्ध शक्तियों का प्रयोग करते हुए, तथा गीत और नाटक प्रभाग (तृतीय और चतुर्थ श्रेणी पद) भर्ती नियम, 1969 को, जहां तक उनका संबंध निर्माता के पद से है, अधिकांश करने हुए, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के गीत और नाटक प्रभाग में निर्माता के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:—इन नियमों का नाम गीत और नाटक प्रभाग भर्ती नियम, 1980 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. पद संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान:—पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु सीमा और अर्हताएं आदि:—भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, शैक्षिक और अन्य अर्हताएं तथा उनके संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो पूर्वोक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं:—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पदों में से किसी पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा:

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार मौजूद हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. नियम शिथिल करने की शक्ति:—जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों की बाबत आवेग द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति:—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आवेगों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

## अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद अथवा अचयनपद	के०स०से० (पेंशन नियम 1972 के नियम 30 के अधीन जोड़े गए वर्षों की सुविधा ग्राह्य है या नहीं)	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7	8
निर्माता	2 (सात)	साधारण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अतिपिक वर्गीय।	550-25-750- 800-30- 900 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	40 वर्ष	(क) मैट्रिक या समतुल्य (ख) मिथिल कार्यक्रम तथा लोक गीत (नृत्य के प्रस्तुतीकरण का लगभग 5 वर्ष का व्यावहारिक अनुभव)। (ग) गीत और नाटक प्रभाग के किसी एक केन्द्र द्वारा मनोरंजन आदि का प्रबंध किए जाने वाले और में बोली जाने वाली प्रमुख भाषा का ज्ञान। (घ) हिन्दी/अंग्रेजी बोलने और लिखने का पर्याप्त ज्ञान।

टिप्पण: [आयु-सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख, भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह और लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अन्तिम तारीख होगी।]

सीधे भर्ती किए जाने परीक्षा की अधि भर्ती की प्रकृति: भर्ती सीधे होगी प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण यदि विभागीय प्रोन्नति वे परिस्थितियां जिनमें  
आने व्यक्तियों के लिए यदि कोई हो या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियां गमिति है तो उसकी संरचना भर्ती करने समय संघ  
विहित आयु और स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न, जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/ लोक सेवा आयोग से  
शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली स्थानांतरण किया जाएगा। परामर्श किया जाए  
की दशा में लागू होगी रिक्तियों की प्रतिशतता। या नहीं

9	10	11	12	13	14
लागू नहीं होता	2 वर्ष	सीधे भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	पुष्टि करने के लिए समूह 'ग' विभागीय प्रोन्नति समिति में निम्नलिखित होंगे :— 1. उप निदेशक (एस) गीत और नाटक प्रभाग 2. उप निदेशक (पी०) गीत और नाटक प्रभाग 3. आकाशवाणी/दूरदर्शन का एक प्रतिनिधि।	लागू नहीं होता

[सं० ए-12018/3/79—प्रशासन-1 एस एंड डी]

मोहन सुन्दर रात्रन, उपसचिव

## MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 25th March, 1980

**G. S. R. 442.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Song and Drama Division (Class III and Class IV posts) Recruitment Rules, 1969, in so far as they relate to the post of PRODUCER, the President hereby makes the following rules to regulate the method of recruitment to the post in the Song and Drama Division of the Ministry of Information and Broadcasting, namely:—

1. Short Title and Commencement :—(1) These rules may be called the Song and Drama Division Recruitment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of Post, its Classification and Scale of Pay—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule hereto annexed.

3. Method of Recruitment, Age limit and other qualifications—The method of recruitment to the said post, the age limit, educational qualifications and other matters relating thereto shall be as specified in columns 5 to 14 of the Schedule, aforesaid.

4. Disqualification—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person.

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power of Relax—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category or persons.

6. Saving—Nothing in these rules shall effect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Caste, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection Post	Whether benefits of added years of service admissible under rule 30 of the CCS (Pension) Rule, 1972	Age limit for direct recruitment	Educational and other qualifications required for direct recruitment
1	2	3	4	5	6	7	8
Producer	7 (seven)	General Central Service Group 'C' Non-Ministerial	Rs. 550-25-750-EB-30-900	Not applicable	Not applicable	40 years	(a) Matriculation or equivalent. (b) About 5 years' practical experience of production of composite programmes and folk singing and folk dancing (c) Knowledge of a major language spoken in the zone to be catered by one of the centres of the Song and Drama Division. (d) Ability to speak and write in Hindi, or English. *Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those of the Andaman and Nicobar Islands).

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruit will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grade from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
9	10	11	12	13	14
Not applicable	2 years	Direct recruitment	Not applicable	Group 'C' DPC for confirmation consisting of— (1) Deputy Director(S), Songs & Drama Division. (2) Deputy Director(P), Song & Drama Division. (3) A representative of AIR/Doordarshan.	Not applicable

**संचार मंत्रालय****(डाक-तार बोर्ड)**

नई दिल्ली, 5 अप्रैल, 1980

सां.कां.निं. 443.—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, डाक और तार सिविल इंजीनियरी (सिविल राजपत्रित अधिकारी) भर्ती नियम, 1976 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का नाम डाक और तार सिविल इंजीनियरी (सिविल राजपत्रित अधिकारी) भर्ती (संशोधन) नियम, 1980 है।

(2) ये नियम 9 सितम्बर, 1976 से प्रवृत्त हुए समझे जाएंगे।

2. डाक और तार सिविल इंजीनियरी (सिविल राजपत्रित अधिकारी) भर्ती नियम, 1976 में।

(1) नियम 3 और 4 के स्थान पर, निम्नलिखित नियम रखे जाएंगे, अर्थात् :—

3. पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके वेतनमान वे होंगे जो उनसे उपाखंड प्रभु-सूची के स्तम्भ 2 से 4 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. पदों का प्रारम्भिक गठन :—पदों के प्रारम्भिक गठन के समय इन नियमों के प्रारम्भ से पूर्व डाक तार विभाग में पहले से कार्य कर रहे अधिकारियों की नियुक्तियाँ निम्नलिखित रीति से विनियमित होंगी :—

(क) ऐसे सभी अधिकारी, जो उक्त अनुसूची में उल्लिखित किसी पद पर इन नियमों के प्रारम्भ की तारीख से पूर्व नियमित आधार पर नियुक्त किए गए थे और वे सभी अधिकारी, जिनकी संघ लोक सेवा आयोग द्वारा की गई केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा परीक्षा के परिणामस्वरूप विनिर्दिष्ट डाक तार विभाग में कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) और सहायक इंजीनियर (सिविल) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्ति के लिए भर्ती की गई थी, इन नियमों के अधीन अपने अपने पदों पर उन पदों पर अपनी नियुक्ति की तारीख से नियमित आधार पर नियुक्त किए गए समझे जाएंगे।

(ख) संघ लोक सेवा आयोग, पदों के प्रारम्भिक गठन के समय, नियुक्ति के लिए खण्ड (ग) और (घ) में निर्दिष्ट अधिकारियों की उपयुक्तता पर विचार करने के लिए एक छानबीन समिति का गठन करेगा। छानबीन समिति में निम्नलिखित होंगे :—

- |  |           |
|--|-----------|
| (1) अध्यक्ष या सदस्य (संघ लोक सेवा आयोग) | . अध्यक्ष |
| (2) सदस्य (टी० प्रो०) डाक-तार विभाग      | . सदस्य   |
| (3) सदस्य (प्रशासन) डाक तार विभाग        | . सदस्य   |
| (4) मुख्य इंजीनियर (सिविल) डाक तार विभाग | . सदस्य   |

स्पष्टीकरण संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या सदस्य से भिन्न किसी सदस्य की अनुपस्थिति से छानबीन समिति की कार्यवाही अधिमस्थ नहीं होगी।

(ग) छानबीन समिति, खण्ड (क) में आने वाले सहायक कार्यपालक इंजीनियरों (सिविल) और सहायक इंजीनियरों (सिविल) की उपयुक्तता का अवधारण करेगा और पदों के प्रारम्भिक गठन के समय, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के पद पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त माने गए अधिकारियों की सूची तैयार करेगी, जो अधिमानता के क्रम में होंगी। उपयुक्त पाए गए अधिकारी, पद पर तदर्थ आधार पर अपनी नियुक्ति की तारीख से या उस दिन से, जिस दिन उन्होंने संबंधित पद पर अपनी नियुक्ति की तारीख से यथास्थिति सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) और सहायक इंजीनियर (सिविल) के रूप में 5 वर्ष और

8 वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर ली है, जो भी पञ्चातवर्ती हो, कार्यपालक इंजीनियर के पद पर नियमित आधार पर नियुक्त किए गए समझे जाएंगे।

(घ) छानबीन समिति, ऐसे कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) की, जिनके मामले की संवीक्षा खण्ड (ग) के अधीन की गई थी, उपयुक्तता का अवधारण करेगी और पदों के प्रारम्भिक गठन के समय, अधीक्षण इंजीनियर (सिविल) के पद पर नियुक्ति के लिए उपयुक्त माने गए अधिकारियों की सूची तैयार करेगी जो अधिमानता के क्रम में होंगी। उपयुक्त पाए गए अधिकारी, पद पर तदर्थ आधार पर अपनी नियुक्ति की तारीख से या उस पर पद नियुक्ति की तारीख से कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के रूप में 5 वर्ष की नियमित सेवा पूरी कर लेने पर, जो की पञ्चातवर्ती हो, अधीक्षण इंजीनियर (सिविल) के पद पर नियमित आधार पर नियुक्ति किए गए समझे जाएंगे।

(ङ) यदि उच्चतर पद पर प्रोन्नति के प्रयोजन के लिए किसी अधिकारी के बारे में विचार किया जाता है तो उस पद पर उसे ज्येष्ठ सभी व्यक्तियों पर इस बात के होने हुए भी विचार किया जाएगा कि उन्होंने सेवा की अपेक्षित अवधि पूरी नहीं की है।

(च) ऐसे सभी अधिकारी जो खण्ड (ग) और (घ) के अधीन उपयुक्त माने जाते हैं, पंक्ति में उन अधिकारियों से जो नियम 4(क) और 4(ख) के अधीन नियुक्त किए जाते हैं, ज्येष्ठ होंगे।

(छ) प्रतियोगिता परीक्षाओं के परिणामस्वरूप भर्ती किए गए व्यक्तियों की मापेक्ष ज्येष्ठता परस्पर, उस गुणनक्रम के क्रम में होगी जिसमें वे उन प्रतियोगिता परीक्षाओं के परिणामस्वरूप, जिससे उनकी भर्ती की गई थी, रखे गए थे। जिन व्यक्तियों की भर्ती पूर्ववर्ती परीक्षा के आधार पर की गई थी वे पंक्ति में उनसे ज्येष्ठ होंगे जिनकी भर्ती बाद की परीक्षा के आधार पर की गई है।

(ज) खण्ड (ग) के अधीन कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के पद पर नियुक्त व्यक्तियों की परस्पर ज्येष्ठता, पद में उनके नियमित सेवा काल और उस स्थानाक्रम के अनुसार होगी जिसमें छानबीन समिति ने उनकी सिफारिश की है।

(झ) खण्ड (घ) के अधीन अधीक्षण इंजीनियर (सिविल) के पद पर नियुक्त किए गए व्यक्तियों की परस्पर ज्येष्ठता उस क्रम में होगी जिसमें छानबीन समिति ने उनकी सिफारिश की है।

4-क पदों का प्राचीन अनुकरण : पदों पर भर्ती उनके प्रारम्भिक गठन के पञ्चात् नियम 4ख में विनिर्दिष्ट रीति में की जाएगी :

1-भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं आदि : (1) उन पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उनसे संबंधी अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

(2) यदि इस नियम के अधीन किसी उच्चतर पद पर प्रोन्नति के प्रयोजन के लिए किसी अधिकारी के बारे में विचार किया जाता है तो पद में उससे ज्येष्ठ सभी व्यक्तियों पर भी इस बात के होते हुए भी विचार किया जाएगा कि उन्होंने सेवा की अपेक्षित अवधि पूरी नहीं की है।

**2. अनुसूची में,**

(क) स्तम्भ 2 से 12 तक को स्तम्भ 3 से 13 तक के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाएगा और इस प्रकार पुनःसंख्यांकित स्तम्भ 3 के पूर्व निम्नलिखित स्तम्भ और उसके शीर्षक को अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

पद संख्या

(ख) स्तम्भ 2 के नीचे क्रम संख्यांक 1 से 4 तक के सामने, क्रमशः निम्नलिखित प्रविष्टि अंतःस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

- \* 23
- \* 89
- \* 29
- \* 379

टिप्पण :—पदों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकेगा।

(ग) स्तम्भ 11 के नीचे क्रम संख्यांक 2 के सामने, 'प्रोन्नति' शीर्षक के अन्तर्गत, मद (ii) के पश्चात् निम्नलिखित टिप्पण अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"टिप्पण : कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) के पद में सहायक कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) और सहायक इंजीनियरों (सिविल) की परस्पर ज्येष्ठता; उनके लिए आरक्षित रिक्तियों के चक्रानुक्रम के अनुसार अवधारित की जाएगी। किसी विनिष्ट प्रवर्ग से प्रोन्नति द्वारा भरे जाने के लिए आवंटित रिक्तियों को भरने के लिए उस प्रवर्ग के अपेक्षित संख्या के उपयुक्त पात्र अधिकारियों के उपलब्ध न होने की दशा में, नियुक्ति प्राधिकारी ऐसी सभी या किन्हीं रिक्तियों को अन्य प्रवर्ग से उपयुक्त पात्र अधिकारियों की प्रोन्नति द्वारा इस शर्त के अधीन रहते हुए भर सकेगा कि किसी भी प्रवर्ग के अधिकारियों से भरी जाने वाली रिक्तियों का सम्पूर्ण अनुपात अन्ततः विहित कोटे के अनुसार रखा जाएगा।"

(घ) स्तम्भ 11 के नीचे, क्रम संख्यांक 4 के सामने, "प्रोन्नति" शीर्षक के अन्तर्गत, विद्यमान प्रविष्टि के पश्चात् निम्नलिखित टिप्पण अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

"टिप्पण : सीधे भर्ती किए गए सहायक इंजीनियरों (सिविल) और प्रोन्नत सहायक इंजीनियरों (सिविल) की सम्मिलित ज्येष्ठता सूची उनके लिए आरक्षित रिक्तियों के चक्रानुक्रम के अनुसार बनाई जाएगी। किसी विनिष्ट प्रवर्ग से प्रोन्नति द्वारा भरे जाने के लिए आवंटित रिक्तियों को भरने के लिए उस प्रवर्ग के अपेक्षित संख्या के उपयुक्त पात्र अधिकारियों के उपलब्ध न होने की दशा में, नियुक्ति प्राधिकारी ऐसी सभी या किन्हीं रिक्तियों को अन्य प्रवर्ग से उपयुक्त पात्र अधिकारियों की प्रोन्नति द्वारा इस शर्त के अधीन रहते हुए भर सकेगा कि किसी भी प्रवर्ग के अधिकारियों से भरी जाने वाली रिक्तियों का सम्पूर्ण अनुपात अन्ततः विहित कोटे के अनुसार रखा जाएगा।"

#### व्यावसायिक प्राप्ति

डाक तार विभाग के सिविल विंग में विभिन्न पदों में भर्ती के लिए 9 सितम्बर, 1976 को भर्ती नियम अधिसूचित किये गये थे। इन भर्ती नियमों को डाक तार सिविल इंजीनियरी (सिविल राजपत्रित अधिकारी) भर्ती नियम, 1976 के नाम से जाना जाता है। ये नियम सहायक अधिशासी इंजीनियर (सिविल) और सहायक इंजीनियर (सिविल) के पदों पर लागू करने के लिए 11 फरवरी, 1976 में प्रचलन में आये। यह नगरीय 1976 में हुई इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से भर्ती की सुविधाजनक बनाने के लिए निर्धारित की गई थी। इन नियमों के लागू होने से पूर्व, ऐसे अधिकारी होते थे जो संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा के माध्यम से सहायक अधिकारी इंजीनियर (सिविल) और सहायक इंजीनियर (सिविल) के बतौर सीधे रूप से नियुक्त हुये थे। ऐसे भी कुछ अधिकारी थे जो केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग से प्रतिनियुक्ति पर आये थे और डाक-तार विभाग में समाहित करने के लिए उनका चयन कर लिया गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय के एक आदेशानुसार सर्वश्री एस० एन० राय, एस० आर० बटवाल, पी० एन० डी० सोदी और जी० डी० शुभ को भी डाक तार विभाग में नियमनित रूप से नियुक्त समझा गया है।

केन्द्रीय इंजीनियरी सेवा परीक्षा के माध्यम से अथवा केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग से प्रतिनियुक्ति पर आये अधिकारियों की पदोन्नति तबसे आधार पर उच्चतर ग्रेडों में कर दी गई थी। यह सुनिश्चित करने के लिए कि पूर्व-

वर्ती अनुच्छेदों में उल्लिखित नियमों के लागू होने से पहले उनके द्वारा की गई सेवा से उन अधिकारियों को वंचित तो नहीं कर दिया गया है, इन पदों की प्रारम्भिक स्थापना के लिए इन नियमों में एक प्रावधान शामिल करने का प्रस्ताव किया गया है। इन पदों की प्रारम्भिक स्थापना के लिए प्रावधान में प्रारम्भिक स्थापना की मुख्य विशेषतायें विस्तार से दी गई हैं। एतद्वारा यह प्रमाणित किया जाता है कि इन पदों की प्रारम्भिक स्थापना में निहित प्रावधानों को पिछली सारीय से लागू करने से पहले से सेवारत किसी भी कर्मचारी के हित पर हितपूर्ण प्रभाव नहीं पड़ेगा।

नियमों में उल्लिखित पदों पर किनका कार्य कर रहे कुछ अधिकारियों ने विभिन्न उच्च न्यायालयों में विभिन्न पदों पर अपनी नियमित नियुक्ति, पदोन्नति, बरिष्ठता आदि के सम्बन्ध में याचिकायें दायर की हुई हैं। भर्ती नियमों में प्रारम्भिक स्थापना द्वारा की शामिल करने और उससे उत्पन्न परिणाम इन मामलों पर न्यायालय के अन्तिम निर्णयों के अधीन होंगे।

[सं० 64/5/75-सी० डब्ल्यू० जी]

डी० डी० जंग,

सहायक महानिदेशक (सी० डब्ल्यू०)

#### MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(Posts & Telegraphs Board)

New Delhi, the 5th April, 1980

G.S.R. 443.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Posts and Telegraphs Civil Engineering (Civil Gazetted Officers) Recruitment Rules, 1976, namely :—

1. (1) These rules may be called the Posts and Telegraphs Civil Engineering (Civil Gazetted Officers) Recruitment (Amendment) Rules, 1980.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 9th day of September, 1976.

2. In the Posts and Telegraphs Civil Engineering (Civil Gazetted Officers) Recruitment Rules, 1976.

(i) for rules 3 and 4 the following rules shall be substituted, namely :—

"3. Number of posts Classification and scales of pay.—The number of posts their classification and scales of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Initial Constitution of the posts.—Appointments at the initial constitution of the Posts of officers already working in the Posts and Telegraphs Department before the commencement of these rules shall be regulated in the following manner :—

(a) All officers who had been appointed on a regular basis prior to the date of commencement of these rules to any of the post mentioned in the said schedule and all those officers who were recruited for appointment on a regular basis, to the post of Assistant Executive Engineer (Civil) and Assistant Engineer (Civil) specifically in the Posts and Telegraphs Department on the results of the Central Engineering Service Examination held by the Union Public Service Commission shall be deemed to have been appointed under these rules to the respective posts on a regular basis with effect from the date of their appointment to the posts.

(b) The Union Public Service Commission shall constitute a screening committee to consider the suitability of officers referred to in clause (c) and (d) for appointment at the initial constitution of the posts. The screening committee shall consist of :—

(i) Chairman or Member, Union Public Service Commission, —President

(ii) Member (T.O.) Posts & Telegraphs Department. —Member



(iii) Member (Administration)  
Posts & Telegraphs  
Department —Member

(iv) Chief Engineer (Civil)  
Posts and Telegraphs  
Department —Member

Explanation : The absence of a Member other than the Chairman or Member of the Union Public Service Commission shall not invalidate the proceedings of the screening committee.

(c) The screening committee shall determine the suitability of Assistant Executive Engineers (Civil) and Assistant Engineers (Civil) covered by clause (a) and prepare a list, arranged in order of preference, of officers considered suitable for appointment to the post of Executive Engineer (Civil) at the initial constitution of the posts. The officers found suitable shall be deemed to have been appointed on a regular basis to the post of Executive Engineer (Civil) with effect from the date of their appointment on an ad hoc basis to the post or on the day they completed 5 years and 8 years of regular service as Assistant Executive Engineer (Civil) and Assistant Engineer (Civil), as the case may be, from the date of their appointment in the respective post, whichever is later.

(d) The screening committee shall determine the suitability of Executive Engineers (Civil) whose cases were scrutinised under clause (c) and prepare a list arranged in order of preference, of officers considered suitable for appointment to the post of Superintending Engineer (Civil) at the initial constitution of the posts. The officers found suitable shall be deemed to have been appointed on regular basis to the post of Superintending Engineer (Civil) with effect from the date of their appointment on ad hoc basis to the post or on completion of 5 years of regular service as Executive Engineer (Civil) from the date of appointment in that post whichever is later.

(e) If an officer is considered for the purpose of promotion to a higher post, all persons senior to him in the post shall also be considered notwithstanding that they have not rendered the requisite period of service.

(f) All the Officers considered suitable under clauses (c) and (d) shall rank senior to those appointed under rules 4A and 4B.

(g) The relative seniority of persons recruited on the results of the competitive examinations shall be ranked, inter se, in order of merit in which they are placed in the competitive examinations on the results of which they were recruited, those recruited on the basis of an earlier examination being ranked senior to those recruited on the basis of later examination.

(h) The seniority, inter se, of persons appointed to the post of Executive Engineer (Civil) under clause (c) shall be as per the length of their regular service in the post and in the order of their placement in which they are recommended by the screening committee.

(i) The seniority, inter se, of persons appointed to the post of Superintending Engineer (Civil) under clause (d) shall be in the order in which they are recommended by the screening committee.

4A. Future maintenance of the posts.—The recruitment to the posts, after the initial constitution thereof shall be made in the manner specified in rule 4 B.

4B. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—  
(1) The method of recruitment to the said posts, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the said schedule.

(2) If an officer is considered for the purpose of promotion to a higher post under this rule, all persons senior

to him in the post shall also be considered notwithstanding that they have not rendered the requisite period of service.

(2) in the schedule —

(a) Columns 2 to 12 shall be renumbered as columns 3 to 13 and before column 3 so renumbered the following column and heading thereof shall be inserted namely :—

"Number of posts

2

(b) against serial numbers 1 to 4 under column 2, the following entry shall respectively be inserted, namely :—

* 23
* 89
* 29
* 379

NOTE : \*The number of posts is subject to variation.

(c) against serial No. 2, under column 11, under the heading 'Promotion' after item (ii) the following Note shall be inserted, namely :—

"Note : The seniority, inter se, of Assistant Executive Engineer (Civil) and Assistant Engineers (Civil) in the post of Executive Engineer (Civil) shall be determined according to the rotation of vacancies reserved for them. In case the required number of suitable eligible officers is not available from a particular category for filling in the vacancies allocated to be filled by promotion from that category, the appointing authority may fill in all or any of the vacancies by promotion of suitable eligible officers from the other category subject to the condition that the overall proportion of vacancies to be filled from among the officers of the either category will eventually be maintained in accordance with the quotas prescribed."

(d) against serial number 4, under column 11, under the heading "Promotion" after the existing entry the following Note shall be inserted, namely :—

"Note : The common seniority list of the directly recruited Assistant Engineers (Civil) and the promoted Assistant Engineer (Civil) shall be drawn according to the rotation of vacancies reserved for them. In case the required number of suitable eligible officers is not available from a particular category for filling in the vacancies allocated to be filled by promotion or appointment from that category, the appointing authority may fill in all or any of the vacancies by suitable eligible officers from the other category subject to the condition that the overall proportion of vacancies to be filled from among the officers of either category will eventually be maintained in accordance with quotas prescribed."

#### EXPLANATORY MEMORANDUM

For recruitment to the various posts in the Civil Wing of the Posts and Telegraphs Department, the rules of recruitment were notified on the 9th September, 1976. These rules of recruitment are known as the Posts and Telegraphs Civil Engineering (Civil Gazetted Officers) Recruitment Rules, 1976. These rules came into force, in their application to the Posts of Assistant Executive Engineers (Civil) and Assistant Engineers (Civil) from the 21st February, 1976. This date was fixed to facilitate recruitment through the Central Engineering Service Examination held in 1976. Prior to the commencement of the rules, there were officers who had joined directly as Assistant Executive Engineers (Civil) and Assistant Engineers (Civil) through the Central Engineering Service

Examination conducted by the Union Public Service Commission. There were also some officers who had come on deputation from the Central Public Works Department and had been selected for the absorption in the Posts and Telegraphs Department. By an order of the Delhi High Court, S/Shri S. N. Rai, S. R. Bantwal, P. N. D. Modi and G. D. Chug are also to be deemed to have been regularly appointed in the Posts and Telegraphs Department.

Some of the Officers who came through the Central Engineering Service Examination or on deputation from Central Public Works Department, were promoted to the higher grades on ad-hoc basis. In order to ensure that these officers are not deprived of the service rendered by them before the commencement of the rules cited in the preceding paragraphs, it is proposed to incorporate a provision in these rules for initial constitution of these posts. The provision for initial constitution of these posts gives in detail the salient features of the initial constitution. It is hereby certified that the giving of retrospective effect to the provisions contained in the initial constitution of these posts, would not prejudicially affect the interest of any person already in service.

Some officers at present working in the posts mentioned in the rules, have filed writ petitions in various High Courts, in regard to their regular appointment, promotion, seniority etc., to the various posts. The incorporation of the initial constitution clause in the rules of recruitment and any consequences flowing therefrom, would be subject to the final decisions of the Courts in those cases.

[No. 64/5/75-CWG]

B. D. JUNG, Assistant Director General (CW)

### रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नयी दिल्ली, 10 मार्च, 1980

सा० का० नि० 444.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा भारतीय रेल कामिक सेवा भर्ती नियम, 1975 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) ये नियम भारतीय रेल कामिक सेवा भर्ती (द्वितीय संशोधन) नियम, 1980 कहलायेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय रेल कामिक सेवा भर्ती नियम, 1975 में,

(1) नियम 2 में धारा (छ) के पश्चात् निम्नलिखित को अन्तर्विष्ट किया जायेगा, अर्थात्:—

“(ज) “परीक्षा” का अभिप्राय किसी ऐसी संयुक्त प्रतियोगी परीक्षा से है जिसमें उक्त सेवा और ऐसे अन्य सेवा या सेवाओं, जो सरकार द्वारा समय-समय पर विनिश्चित की जायें, में भर्ती के लिए आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रारम्भिक परीक्षा तथा मुख्य परीक्षा शामिल है;”

(2) अनुसूची II में—

(क) निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“6. आयु-सीमा:—उम्मीदवार की आयु जिस वर्ष परीक्षा हो उसके 1 अगस्त को 21 वर्ष की पूरी हो जानी चाहिये और 28 वर्ष से कम होनी चाहिये।

किन्तु अधिकतम आयुसीमा में ऐसी कोटियों के व्यक्तियों के संबंध में, जिन्हें केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर अधिसूचित किया जाये प्रत्येक कोटि के संबंध में उस सीमा तक और अधिसूचित शर्तों के अधीन छूट दी जा सकती है।”

(ख) पैरा 7 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जायेगा अर्थात्:—

“क. परीक्षा के अवसर—किसी भी उम्मीदवार को, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का न हो या जो सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित विनिश्चित अवसरों के अन्तर्गत न आता हो, परीक्षा में तीन बार से अधिक बैठने की अनुमति नहीं दी जायेगी;

किन्तु अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए यदि वे अन्यथा पात्र हों तो परीक्षा में बैठने के अवसरों की संख्या पर कोई प्रतिबन्ध नहीं होगा।

स्पष्टीकरण:—किसी प्रारम्भिक परीक्षा में बैठना इस नियम के अधि-प्राय के अन्तर्गत परीक्षा में बैठना माना जायेगा।”

(ग) पैरा 8 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“8. शैक्षिक अर्हताएं:—उम्मीदवार के पास किसी ऐसे विश्वविद्यालय जो केन्द्रीय या राज्य विधान मंडल के किसी अधिनियम द्वारा भारत में संस्थापित हो या किसी संसदीय अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 (1956 का 3) की धारा 23 के अन्तर्गत विश्वविद्यालयों के रूप में यथा घोषित अन्य शिक्षा संस्थानों या केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर अनुसूचित किसी विश्वविद्यालय से प्राप्त डिग्री अवश्य होनी चाहिए या उसके पास कोई ऐसी अर्हता होनी चाहिये जिससे केन्द्रीय सरकार द्वारा उक्त परीक्षा में प्रवेश के प्रयोजन के लिए मान्यता प्रदान की गयी हो:

किन्तु शर्त यह है कि, —

(क) कोई ऐसा उम्मीदवार, जो किसी ऐसी परीक्षा में बैठा हो जिस में पास होने पर वह आयोग द्वारा ली जाने वाली परीक्षा में बैठने के लिये शैक्षिक रूप से अर्ह माना जायेगा किन्तु जिसका परीक्षाफल उसे सूचित न किया गया हो तथा कोई ऐसा उम्मीदवार, जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहता हो, प्रारम्भिक परीक्षा में प्रवेश के लिये पात्र होगा। किन्तु वह उस वर्ष के दौरान मुख्य परीक्षा में तभी बैठ सकेगा जब वह अर्हक परीक्षा पास करने का सबूत ऐसी तारीख के भीतर प्रस्तुत करे जो आयोग द्वारा अधिसूचित की जाये।

(ख) अपवादिक मामलों में, आयोग द्वारा किसी ऐसे उम्मीदवार को अर्ह माना जा सकता है जिसके पास यद्यपि इस नियम में विनिश्चित अर्हता न हो किन्तु जिसने किसी संस्थान से कोई ऐसी परीक्षा पास की हो जिसका स्तर आयोग की राय में उसे परीक्षा में प्रवेश देने के लिये औचित्यपूर्ण हो।

(ग) किसी ऐसे उम्मीदवार, जो अन्यथा अर्ह हो परन्तु जिसने किसी ऐसी विश्वविद्यालय से डिग्री प्राप्त की हो जिसे सरकार द्वारा मान्यता न दी गयी हो, को भी आयोग के स्वविवेक पर परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है।

(घ) पैरा 11 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

“11. कदाचार के लिए शान्ति:—जो उम्मीदवार आयोग द्वारा निम्नलिखित कदाचार का दोषी घोषित किया जाये या किया गया हो:—

(i) किसी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी का समर्थन प्राप्त करने; तथा

(ii) किसी व्यक्ति के स्थान पर स्वयं प्रस्तुत होने या;

(iii) अपने स्थान पर किसी दूसरे व्यक्ति को प्रस्तुत करने; या

(iv) आली प्रलेख या फेर-बदल किए गए प्रलेख प्रस्तुत करने; या

- (v) अशुद्ध या असम्य विवरण देने या महत्वपूर्ण सूचना को छिा कर रखने ; या
- (vi) परीक्षा के लिये अपनी उम्मीदवारी के संबंध में कोई अन्य अनियमित या अनुचित साधन अपनाने ; या
- (vii) परीक्षा के समय अनुचित तरीके अपनाने ; या
- (viii) उत्तर-पुस्तिका (ओं) पर अश्लील भाषा या प्रभट् बातों सहित असंगत बातें लिखने ; या
- (ix) परीक्षा भवन में किसी अन्य प्रकार से दुर्व्यवहार करने ; या
- (ix) परीक्षा देने के लिये आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान करने या शारीरिक क्षति पहुंचाने ; या
- (x) उपर्युक्त खण्डों में विनिर्दिष्ट सभी या उनमें से कोई वृत्त्य करने का प्रयास करने या उसे दुःप्रेरित करने, जैसा भी मामला हो ;

उमके विरुद्ध आपराधिक अभियोग चलाये जाने के अनिवार्य निम्न-लिखित कार्रवाई भी की जा सकती है :—

- (क) आयोग द्वारा उसे उस परीक्षा के लिये जिसका वह उम्मीदवार है, अपात्र घोषित किया जा सकता है ; या
- (ख) उसे स्थायी रूप से या विनिर्दिष्ट अवधि के लिए निर्मातित्वित में विवर्जित किया जा सकता है :—
  - (i) आयोग द्वारा स्वयंयोजित किसी परीक्षा या त्वयन ने ;
  - (ii) केन्द्रीय सरकार द्वारा अपने अधीन किसी नौकरी से ; तथा
- (ग) यदि वह पहले से ही सरकारी नौकरी में हो तो उपर्युक्त नियमों के अधीन उमके विरुद्ध अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है ।

[सं० 79/ई० (जी० आर०) 1/31/8]

## MINISTRY OF RAILWAYS

### (Railway Board)

New Delhi, the 10th March, 1980

**G.S.R. 444.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Railway Personnel Service Recruitment Rules, 1975, namely :—

1. (1) These rules may be called the Indian Railway Personnel Service Recruitment (Second Amendment) Rules, 1980.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Railway Personnel Service Recruitment Rules, 1975—

- (1) in rule 2 after clause (g), the following shall be inserted, namely :—
- (h) "Examination" means a combined competitive examination consisting of a preliminary examination and a main examination held by the Commission for recruitment to the Service and such other Service or Services as may be specified by the Government from time to time ;"

(2) in the Schedule II—

(a) the following para shall be substituted namely :—

"6. Age limits.—A candidate must have attained the age of 21 years and must not have attained the

age of 28 years on the first day of August of the year in which the examination is held.

Provided that the upper age limit may be relaxed in respect of such categories of persons as may, from time to time, be notified in this behalf by the Central Government to the extent and subject to the conditions notified in respect of each category."

(b) For para 7, the following para shall be substituted, namely :—

"7. Attempts at the Examination.—No candidate who does not belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes or who is not covered by the specified exceptions notified by the Government from time to time, shall be permitted to compete more than three times at the examination.

Provided that there shall be no restrictions on the number of attempts for candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes who are otherwise eligible.

Explanation.—An attempt at a preliminary examination shall be deemed to be an attempt at the examination within the meaning of this rule."

(c) for para 8, the following para shall be substituted, namely :—

"8. Educational Qualifications.—A candidate must hold a degree of a University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutions established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 (3 of 1956) or a foreign University approved by the Central Government from time to time, or possesses a qualification which has been recognised by the Central Government for the purpose of admission to the examination ;

Provided that—

(a) a candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him educationally qualified for the Commission's examination but has not been informed of the result as also the candidate who intends to appear at such a qualifying examination shall be eligible for admission to the preliminary examination till, by a date to be notified by the Commission, the candidate produces proof of having passed in the qualifying examination, for being eligible to take the main examination during that year ;

(b) In exceptional cases, the Commission may treat as qualified a candidate, who, though not possessing the qualification prescribed in this rule, has passed an examination conducted by an institution, the standard of which in the opinion of the Commission, justified his admission to the examination ;

(c) A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign University which is not approved by the Government may also be admitted to the examination at the discretion of the Commission."

(d) For para 11, the following para shall be substituted, namely :—

"11. Penalty for misconduct.—A candidate who is or has been declared by the Commission to be guilty of :—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or

- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or
- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination, or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script(s), or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall, or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examination, or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission to all or any of the acts specified in the foregoing clauses, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable to—
- (a) be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) be debarred either permanently or for a specified period—
- (i) by the Commission, from appearing at any examination or selection held by them,
- (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) disciplinary action under the appropriate rules if he is already in service under Government."

[No. 79/E(GR)I/31/8]

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1980

सांकांनि० 445.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परम्परा द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा सहायक खेल कबड्डी अधिकारी के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ.—(1) ये नियम भारतीय खेल (सहायक खेल-कूद अधिकारी) भर्ती नियम, 1980 कहलायेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. पदों की संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान.—उक्त पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण तथा उनका वेतनमान यह होगा जो इन नियमों के साथ संलग्न अनुसूची के कालम 2 से 4 में विनिर्दिष्ट है।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, ग्रहणार्थ प्रावि.—उक्त पदों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा ग्रहणार्थ तथा उनसे संबंधित अन्य बातें यह होंगी जो उक्त अनुसूची के कालम 5 से 14 में विनिर्दिष्ट है।

4. अयोग्यताएं.—कोई भी व्यक्ति—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति, जिसका कोई पति/पत्नी मौजूद हो, से विवाह किया हो या विवाह करने की संविदा की हो, या

(ख) जिसने एक पति/पत्नी के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो या विवाह करने की संविदा की हो,

उक्त पदों पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा ;

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार, इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति तथा विवाह के तुरन्त पक्ष पर लागू होने वाली स्वीय विधि के अन्तर्गत ऐसा विवाह अनुमेष्य है तथा ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं तो वह किसी व्यक्ति को इन नियमों से छूट दे सकती है।

5. शिथिल करने की शक्ति.—यदि केन्द्रीय सरकार की राय में शिथिलता सेना आवश्यक या कालोचित हो तो वह इसके कारणों को लिखित रूप में दर्ज करने हुए तथा संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से इन नियमों के किसी उपबन्ध को किसी श्रेणी या वर्ग के व्यक्तियों के संबंध में शिथिल करने का आदेश दे सकती है।

6. व्यावृत्ति.—इन नियमों में दिये गये उपबन्धों का इस सम्बन्ध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य विशेष कोटियों के व्यक्तियों के लिए अपेक्षित आरक्षणों आयुसीमा में छूट तथा अन्य रियायतों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

#### अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अयन पद है अथवा गैरअयन पद	सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए आयु सीमा	क्या नियम 2434-ए (सांकांनि० 404 बी) धार-11 के अधीन सेवा के वर्षों में वृद्धि का लाभ अनुमेष्य है
1	2	3	4	5	6	7
सहायक खेलकूद अधिकारी	3	ग्रुप 'बी' राजपत्रित गैर-लिपिकवर्गीय	650-30-740-35-810-ब.रो.-35-880-40-1000-ब.रो.-40-1200 रु०	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों से अपेक्षित तथा शैक्षिक अथवा अर्हताएं	क्या सीधी भर्ती के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आयु तथा शैक्षिक अर्हताएं अति वाले उम्मीदवारों पर भी लागू होंगी	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति अर्थात् सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा या स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों से भरी जाने वाली रिक्ति का प्रतिफल	यदि पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती होनी हो तो वे श्रेष्ठ जिनमें पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण की जानी है	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति हो तो उसकी संरचना क्या है	परिस्थितियां जिनमें भर्ती के लिए मंच लोक सेवा आयोग का परामर्श लिया जाना है
8	9	10	11	12	13	14
लागू नहीं	लागू नहीं	लागू नहीं	प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण/स्थानान्तरण : (क) रेलों के, जिसमें रेलवे बोर्ड/रेल कारखाने शामिल हैं; ऐसे अधिकारी (i) जो सट्टण पदों पर हों; (ii) जिनकी 700-900 रु० या समकक्ष वेतनमान के पदों में 2 वर्ष की सेवा हो, (iii) जिनकी 550-750 रु० अथवा समकक्ष वेतनमान के पदों में 4 वर्ष की सेवा हो; (iv) जिनकी 425-650 रु० अथवा समकक्ष वेतनमान के पदों में 8 वर्ष की सेवा हो, और (ख) खेलकूद के क्षेत्र में जिनकी उत्कृष्ट गतिविधियां रही हों, जैसे कि अन्तर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय विजेता होना। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	युप 'बी' विभागीय पदोन्नति समिति जिसमें— (i) सलाहकार (वित्त) (ii) सलाहकार (औद्योगिक संबंध) और (iii) सचिव अथवा निदेशक, प्रबन्ध सेवाएं, रेलवे बोर्ड, रहेंगे।	प्रारम्भ में प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण के आधार पर नियुक्त किये गये किसी अधिकारी की स्थायी नियुक्ति के लिए और इन नियमों में संगोष्ठन अथवा उनके किसी उपबन्धों को शिथिल करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक है।

[सं० 78/ई (जी भार) 1/24/1]

भार० रामनाथन, उप निदेशक, स्थापना (राज०)

New Delhi, the 1st April, 1980

**G.S.R. 445.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the recruitment to the post of Assistant Sports Officer in the Indian Railways, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Indian Railways (Assistant Sports Officer) Recruitment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person :

shall be eligible for appointment to the said post.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxations of age, limit and other concessions required to be provided for candidates belonging to the Scheduled castes and the Scheduled Tribes and other special categories in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

## SCHEDULE

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under Rule 2423-A (CSR-404B) R-II	Educational and other qualifications required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7	8
Assistant Sports Officer.	3	Group 'B' Gazetted Non-Ministerial	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Not applicable	Not applicable	Not applicable	Not applicable
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the Vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment		
9	10	11	12	13	14		
Not applicable	Not applicable	By transfer on deputation/transfer.	Transfer on deputation/Transfer : (a) Officers in the Railways, including, Railway Board/Railway Units; (i) holding analogous posts ; (ii) with two years service in posts in the scale of Rs. 700-900 or equivalent ; (ii) with 4 years' service in posts in the scale of Rs. 550-750 or equivalent; (iv) with 8 years' service in posts in the scale of Rs. 425-650 or equivalent; and (b) with outstanding sports activities such as international/national winners. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'B' Departmental Promotion Committee comprising of :— 1. Adviser (Finance) 2. Adviser (Industrial Relations) & 3. Secretary OR Director, Management Services, Railway Board.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary for permanent appointment of an officer appointed initially on transfer on deputation basis and amending or relaxing any of the provisions of these rules.		

[No. 79/E (GR) I/31/7]

R. RAMANATHAN, Dy. Director (Estt.) (G).

नई दिल्ली, 21 मार्च, 1980

सां०का०मि० 446.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परस्पर द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) में संग्रहालयध्यक्ष (स्प्रेटर) के पद के लिए भर्ती की पद्धति को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

- संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) ये नियम रेलवे बोर्ड (संग्रहालयध्यक्ष) भर्ती नियम, 1980 कहलायेंगे।
- (2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से प्रवृत्त होंगे।
- पदों की संख्या, वर्गीकरण तथा वेतनमान.—पदों की संख्या, उनका वर्गीकरण तथा उनसे संबंधित वेतनमान वह होगा जो इन नियमों के साथ संलग्न अनुसूची के कालम 2 से 4 में विनिर्दिष्ट हैं।
- भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, ग्रहणाएं आदि.—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, उसके लिए आयु सीमा, ग्रहणाएं तथा उसे संबंधित अन्य बातें वह होंगी जो उक्त अनुसूची के कालम 5 से 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

## 4. अयोग्यताएं—कोई भी व्यक्ति—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति, जिसका कोई पति/पत्नी मौजूद हो, से विवाह किया हो या विवाह करने की संविदा की हो, या

(ख) जिसने एक पति/पत्नी के रहते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया हो या विवाह करने की संविदा की हो, उक्त पक्ष पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि उस व्यक्ति पर तथा विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाली स्थीय विधि के अन्तर्गत ऐसा विवाह अनुज्ञेय है तथा ऐसा करने के अन्य कारण भी हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम से छूट दे सकती है।

5. शिथिल करने की शक्ति—यदि केन्द्रीय सरकार की राय में ऐसा करना आवश्यक या कालोचित हो तो वह निश्चित रूप में कारण दर्ज करते हुए तथा संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से इस नियमों के किसी भी उपबन्ध को किसी श्रेणी या वर्ग के व्यक्तियों के लिए शिथिल करने का आदेश दे सकती है।

6. व्याप्ति—इन नियमों में दिये गये उपबन्धों का इस संबंध में केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों तथा अन्य विशेष कोटियों के व्यक्तियों के लिए अपेक्षित आरक्षणों आयु सीमा में शिथिलता तथा अन्य रियायतों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

## अनुसूची

पक्ष का नाम	पक्षों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद है अथवा गैर-चयन पद	सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए आयु-सीमा	सीधी भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए अपेक्षित शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7

संग्रहालयाध्यक्ष

1

भारतीय रेल सेवा  
ग्रुप 'ए' विविध पद

1100-50-1600 रु०

लागू नहीं

40 वर्ष से अधिक\*  
टिप्पणी :—

आयु सीमा निर्धारित करने के लिए निर्णायक तारीख वह होगी जो भारत में रहने वाले उम्मीदवारों (अंशमान और निकोबार द्वीप और लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों से भिन्न) से आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तारीख हो।

\*सरकारी कर्मचारियों के लिए शिथिल-नीय)

अनिवार्य :—

- (1) किसी मान्यता प्राप्त विश्व-विद्यालय यांत्रिक इंजीनियरी में डिग्री अथवा उसके समकक्ष।
- (2) किसी प्रौद्योगिकीय/विज्ञान संग्रहालय में जिम्मेदार पद पर कार्य करने का अथवा रेलों और रेल कारखानों की दुर्लभ प्राचीन वस्तुओं/प्रदर्शनों के संग्रह और परिरक्षण के क्षेत्र कार्य का 5 वर्ष का अनुभव।

टिप्पणी 1 :

- (1) अन्यथा सुयोग्य उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के स्वविवेक पर अर्हताएं शिथिलनीय हैं।

टिप्पणी 2 :

यदि चयन की किसी अवस्था पर संघ लोक सेवा आयोग की यह राय हो कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए इन समुदायों से अपेक्षित अनुभव रखने वाले उम्मीदवारों के पर्याप्त संख्या उपलब्ध होने की संभावना नहीं है तो इन समुदायों से संबंधित उम्मीदवारों के मामले में संघ लोक सेवा आयोग के स्वविवेक पर अनुभव संबंधी अर्हता शिथिलनीय है।

बांछनीय :

- (1) संग्रहालय शास्त्र/परिवहन/रिले विज्ञान और प्रौद्योगिकी/उद्योग पर लेख प्रकाशित कराये हों।
- (2) भारत और/या विदेश में संग्रहालयों के संगठनात्मक संभालन का ज्ञान और अनुभव हो।

क्या सीधी भर्ती के उम्मीदवारों के लिए निर्धारित आयु तथा शैक्षिक अर्हताएं पदोन्नति वाले उम्मीदवारों पर भी लागू होंगी	परिवीक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति अर्थात् सीधी भर्ती द्वारा या पदोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों से भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिपात	यदि पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती होनी हो तो वे ग्रेड जिनसे पदोन्नति/स्थानान्तरण की जानी है	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति हो तो उसकी संरचना क्या है ?	परिस्थितियां जिनमें भर्ती के लिए संघ लोक सेवा आयोग का परामर्श लिया जाना है
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं	2 वर्ष	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा अथवा सीधों भर्ती द्वारा। प्रत्येक मामले में पद्धति का विनिश्चय संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किया जायेगा।	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : ऐसे अधिकारी जो केन्द्रीय सरकार/जिसमें रेल मंत्रालय और उत्पादन कारखाने/उसके अधीन अन्य संगठन शामिल हैं)/राज्य सरकारों के अधीन मद्रास पदों पर हों अथवा 700-1300 रु० 650-1200 रु० अथवा समकक्ष वेतनमान के पदों पर क्रमशः 5/8 वर्ष की सेवा कर चुके हों और जिनके पास यांत्रिक इंजीनियरी में डिग्री हो और रेलवे का पर्याप्त अनुभव हो। (प्रतिनियुक्ति की अवधि साधारणतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी) टिप्पणी :— भारतीय रेल यांत्रिक इंजीनियर सेवा के अधिकारी 200 रु० प्रतिमाह के विशेष वेतन के हकदार होंगे।	लागू नहीं	सीधी भर्ती करते समय और केन्द्रीय सरकार के ग्रुप 'बी' अधिकारी या राज्य सरकार के किसी अधिकारी को प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श आवश्यक है।

[सं० ई० आर० बी० 1/76/11/7]

के० बालचन्द्रन, सचिव,

रेलवे बोर्ड और भारत सरकार के

पदेन संयुक्त सचिव।

New Delhi, the 21st March, 1980

**G.S.R. 446.**—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to regulate the method of recruitment to the post of Curator in the Ministry of Railways, (Railway Board), namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Railway Board (Curator) Recruitment Rules, 1980.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of posts, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The Method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters relating thereto, shall be as specified in columns 5 to 13 of the said Schedule.

4. Disqualifications.—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other part to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.



## SCHEDULE

Name of posts	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post of Non-Selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Curator	1	Indian Railway Services Group 'A' Miscellaneous posts	Rs. 1100-50-1600	Not applicable	Not exceeding 40 years* Note : The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andaman and Nicobar Islands and Lakshadweep). (*Relaxable for Government Servants.)	Essential (i) Degree in Mechanical Engineering of a recognised University or equivalent. (ii) 5 years' experience of working in a responsible capacity in a technological/Science Museum or of Field work in collection and preservation of rare vintage items/exhibits of Railways and Railway workshops. Note: 1. Qualifications relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in case of candidates otherwise well qualified. Note: 2. The qualifications regarding experience are relaxable at the discretion of the Union Public Service Commission in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, if at any stage of selection, the Union Public Service Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill up the vacancies reserved for them. DESIRABLE (i) Should have published papers on Museology/Transport/Railways/Science & Technology/Industry. (ii) Knowledge and experience of organisational working of Museums in India and/or abroad.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitments	
8	9	10	11	12	13	
Not applicable	2 years	By transfer on deputation or direct recruitment. Method to be	Transfer on deputation Officers under the Central	Not applicable	Consultation with the Union Public Service	

8	9	10	11	12	13
		decided in consultation with the Union Public Service Commission in each case.	Government/(including Ministry of Railways and Production units/Other Organisations under it)/ State Governments holding analogous posts or with 5/8 years service in posts in the scale Rs. 700-1300/- Rs. 650-1200 or equivalent respectively and possessing degree in Mechanical Engineering and adequate Railway experience. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).		Commission necessary while making direct recruitment and appointing a Group 'B' Officer from Central Government or an Officer from state Government on deputation.
			Note : Indian Railway Service of Mechanical Engineers officers will be entitled to a special pay of Rs. 200/-p.m.		

[No. ERBI/76/11/71]  
K. BALACHANDRAN,  
Secy. Railway Board  
& ex-officio Jt. Secy. to the  
Government of India.

#### अम संज्ञालय

नई दिल्ली, 2 अप्रैल, 1980

सांकांनि० 447.—केन्द्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण और अपील) नियमावली, 1965 के नियम 9 के उप-नियम (2), नियम 12 के उप-नियम (2) के खड (ख) और नियम 24 के उप-नियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति जी यह निदेश देते हैं कि इस आदेश की अनुसूची के कालम 1 में निर्दिष्ट सामान्य केन्द्रीय सेवा, ग्रुप "सी" और ग्रुप "डी" के पदों के संबंध में कालम 2 में निर्दिष्ट प्राधिकारी नियुक्ति प्राधिकारी होगा, कालम 3 और 5 में निर्दिष्ट प्राधिकारी कालम 4 में निर्दिष्ट दण्डों के बारे में क्रमशः अनुशासनिक प्राधिकारी और अपील प्राधिकारी होंगे।

#### अनुसूची

ग्रुप "सी" और ग्रुप "डी" पर सामान्य केन्द्रीय सेवा

भारतीय अम कल्याण संगठन

संगठन का नाम	नियुक्ति प्राधिकारी	दंड लगाने वाले सक्षम प्राधिकारी और वह दंड जो वह लगा सकते हैं	अपील प्राधिकारी	
(1)	(2)	प्राधिकारी	दंड	(5)
अम कल्याण संगठन, भीलवाड़ा	कल्याण आयुक्त, भीलवाड़ा	कल्याण आयुक्त, भीलवाड़ा	सभी	महानिदेशक, अम कल्याण
अम कल्याण संगठन , करमा	कल्याण आयुक्त, इलाहाबाद	कल्याण आयुक्त, इलाहाबाद	सभी	महानिदेशक, अम कल्याण
अम कल्याण संगठन, इलाहाबाद	कल्याण आयुक्त, इलाहाबाद	कल्याण आयुक्त, इलाहाबाद	सभी	महानिदेशक, अम कल्याण
अम कल्याण संगठन, बारबिल	कल्याण आयुक्त, भुवनेश्वर	कल्याण आयुक्त, भुवनेश्वर	सभी	महानिदेशक, अम कल्याण
अम कल्याण संगठन, भुवनेश्वर	कल्याण आयुक्त, भुवनेश्वर	कल्याण आयुक्त, भुवनेश्वर	सभी	महानिदेशक, अम कल्याण
अम कल्याण संगठन, बंगलौर	कल्याण आयुक्त, बंगलौर	कल्याण आयुक्त, बंगलौर	सभी	महानिदेशक, अम कल्याण
अम कल्याण संगठन, हैदराबाद	कल्याण आयुक्त, बंगलौर	कल्याण आयुक्त, बंगलौर	सभी	महानिदेशक, अम कल्याण
अम कल्याण संगठन, कालिचङ्ग	कल्याण आयुक्त, बंगलौर	कल्याण आयुक्त, बंगलौर	सभी	महानिदेशक, अम कल्याण
अम कल्याण संगठन, पानाजी (गोवा)	कल्याण आयुक्त, पानाजी (गोवा)	कल्याण आयुक्त, पानाजी (गोवा)	सभी	महानिदेशक, अम कल्याण
अम कल्याण संगठन, जबलपुर	कल्याण आयुक्त, जबलपुर	कल्याण आयुक्त, जबलपुर	सभी	महानिदेशक, अम कल्याण

[सं० सो-11013/6/74-एम III/एम० उक्त विज्ञ०]

जगदीश प्रसाद, प्रवर सचिव

**MINISTRY OF LABOUR**

New Delhi, the 2nd April, 1980

**G.S.R. 447.**—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of rule 9, clause (b) of sub-rule (2) of rule 12 and sub-rule (1) of rule 24 of the Central Civil Services (Classification, Control and Appeal) Rules, 1965, the President hereby

directs that in respect of the posts in the General Central Services, Group C and Group D, specified in column 1 of the Schedule to this order, the authority specified in column 2 shall be the Appointing Authority, the authorities specified in columns 3 and 5 shall be the Disciplinary Authority and the Appellate Authority respectively in regard to the penalties specified in column 4.

**SCHEDULE****GROUP C AND GROUP D POSTS GENERAL CENTRAL SERVICE FIELD LABOUR WELFARE ORGANISATION**

Name of the Organisation	Appointing Authority	Authority competent to impose penalties and penalties which it may impose		Appellate Authority
		Authority	Penalties	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
Labour Welfare Organisation, Bhilwara.	Welfare Commissioner, Bhilwara.	Welfare Commissioner, Bhilwara.	All	Director General, Labour Welfare.
Labour Welfare Organisation, Karma.	Welfare Commissioner, Allahabad.	Welfare Commissioner, Allahabad.	All	Director General, Labour Welfare.
Labour Welfare Organisation, Allahabad.	Welfare Commissioner, Allahabad.	Welfare Commissioner, Allahabad.	All	Director General, Labour Welfare.
Labour Welfare Organisation, Barbil.	Welfare Commissioner, Bhubneswar.	Welfare Commissioner, Bhubneswar.	All	Director General, Labour Welfare.
Labour Welfare Organisation, Bhubneswar.	Welfare Commissioner, Bhubneswar.	Welfare Commissioner, Bhubneswar.	All	Director General, Labour Welfare.
Labour Welfare Organisation, Bangalore.	Welfare Commissioner, Bangalore.	Welfare Commissioner, Bangalore.	All	Director General, Labour Welfare.
Labour Welfare Organisation, Hyderabad.	Welfare Commissioner, Bangalore.	Welfare Commissioner, Bangalore.	All	Director General, Labour Welfare.
Labour Welfare Organisation, Kalichedu.	Welfare Commissioner, Bangalore.	Welfare Commissioner, Bangalore.	All	Director General, Labour Welfare.
Labour Welfare Organisation, Panaji (Goa).	Welfare Commissioner, Panaji (Goa).	Welfare Commissioner, Panaji (Goa).	All	Director General, Labour Welfare.
Labour Welfare Organisation, Jabalpur.	Welfare Commissioner, Jabalpur.	Welfare Commissioner, Jabalpur.	All	Director General, Labour Welfare.

[No. C/11013/6/74-M./III/MW. Vig.]  
JAGDISH PRASAD, Under Secy.

